आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 26 | अंक : 311 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 02 नवंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

कश्मीर से आतंक का सफाया होगा : राजनाथ

जम्मू-कश्मीर में तीन आतंकी ढ़ेर, श्रीनगर में मुठभेड़ जारी

कानपुर /जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में पिछले 24 घंटों में हुए

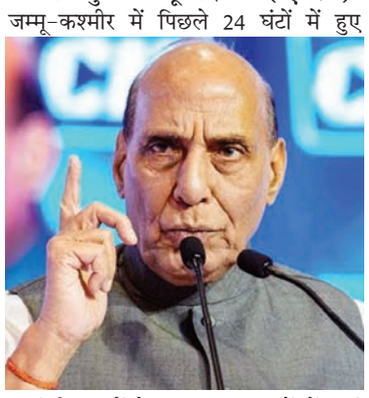

आतंकी हमलों के बाद सुरक्षा बलों में वहां ऑपरेशन ऑल आउट शुरू कर दिया है। अनंतनाग में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। वहीं कोकरनाग में भी एक आतंकी के मारे जाने की खबर है। वहीं श्रीनगर के एक इलाके में सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर दो आतंकियों को घेर रखा है जिनसे मुठभेड़ जारी है। उधर केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद का सफाया किया जाएगा।

केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आज उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर के दौरे पर हैं। इस दौरान मीडिया ने जम्मू-कश्मीर में

आतंकी हमलों को लेकर उनसे सवाल पूछा तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह सुरक्षा चूक का मुद्दा नहीं है। पहले के मुकाबले हमले कम हुए हैं। हमारे सुरक्षा बल अलर्ट पर हैं, ऐसी स्थिति आएगी कि वहां (जम्मू-कश्मीर) से आतंकी गतिविधियां पूरी तरह खत्म हो जाएंगी और जम्मू-कश्मीर तेजी से विकास करेगा। जो हमले हुए वो दुर्भाग्यपूर्ण थे, हमारे सुरक्षा बल मुंहतोड़ जवाब भी दे रहे हैं, इतने आतंकी मारे गए हैं।

वहीं जम्मू-कश्मीर में शनिवार सुबह से सेना और आतंकियों के बीच दो अलग-अलग एनकाउंटर जारी है। जहां अनंतनाग में सुरक्षाबलों ने दो दहशतगर्दों को ढेर कर दिया तो वहीं श्रीनगर के खानयार में सुरक्षाबलों ने दो से तीन आतंकियों को घेर लिया है। यहां रुक-रुकर फायरिंग जारी है. इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सुरक्षाबल आतंकियों को ठिकानों का (शेष पृष्ठ-3 पर)

हमलों के पीछे एजेंसी तो नहीं : फारूक अब्दुल्ला

जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों से

आतंकवाद की घटनाएं लगातार बढ़ रही है. पिछले 24 घंटे के अंदर ही राज्य में 3 आतंकी हमले हुए हैं जिसमें कल पहले बडगाम और बांदीपुरा में फायरिंग हुई और आज श्रीनगर में फायरिंग हुई। आतंक की इन बढ़ती घटनाओं पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुखिया फारूक अब्दुल्ला को साजिश की बू नजर आ रही है।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमला क्राइसिस पैदा करने की कोशिश है। हमलावरों को पकड़ना चाहिए तब पता चलेगा कि इन आतंकियों के पीछे कौन है। इनको मारना नहीं चाहिए. उन्होंने कहा कि इनको पकड़ो और पूछो कि आखिर कौन करवा रहा है ये सब. अभी ही ये घटनाएं क्यों हो रही है। पहले क्यों बंद थे ये हमले और अभी ही क्यों हो रहे हैं?

आतिशबाजी ने इस बार हवा में कम घोला जहर

दिल्ली-एनसीआर में अभी भी दम घोंटू हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में इस बार हवा दमघोंटू नहीं रही है। इस बार हवा में आतिशबाजी का जहर कम घुला है। दिल्ली में

शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 227 दर्ज किया गया है। जबकि एनसीआर में दिल्ली की हवा सबसे ज्यादा खराब रही।

दिल्ली से लेकर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद तक प्रदूषण फैला हुआ है। लेकिन आतिशबाजी की वजह से इस बार हवा थोड़ी कम जहरीली रही। दिवाली के दूसरे दिन दिल्ली का एक्यूआई 227 पहुंच गया है। लेकिन हवा अब भी खराब श्रेणी में है। जो स्वास्थ्य के लिए बहुत नुकसानदेह है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के लोधी रोड के आसपास शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता 227 पर है, %खराब% श्रेणी में है। वहीं अक्षरधाम मंदिर के पास धुएं की एक परत छाई हुई है। सीपीसीबी के अनुसार वायु गुणवत्ता %बहुत खराब% बनी हुई है।

दिवाली पर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में जमकर आतिशबाजी हुई। कई जगहों पर कूड़ा जलाने के मामले सामने आए। इसके बावजूद ग्रेटर नोएडा और नोएडा में वायु गुणवत्ता का सूचकांक खासा बेहतर रहा। दिवाली के एक दिन बाद भी वायु प्रदूषण पिछले पांच साल में सबसे कम रहा। (शेष पृष्ठ-3 पर)

तीसरी मंजिल से गिरकर विकलांग व्यक्ति की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के हरौला गांव में किराए पर रहने वाले एक विकलांग व्यक्ति की तीसरी मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

मूल रूप से छपरा बिहार निवासी कृष्ण सिंह पुत्र राम बहादुर सिंह अपने परिजनों के साथ हरौला गांव में किराए पर रह रहे थे। कृष्ण सिंह एक पैर से विकलांग थे और नोएडा की एक कंपनी में काम करते थे। शुक्रवार को वह तीसरी मंजिल के छज्जे पर खड़े हुए थे। इस दौरान संतुलन बिगड़ने के कारण वह अचानक नीचे जमीन पर आ गिरे ।तीसरी मंजिल से गिरने के कारण कृष्ण सिंह गंभीर रूप से

संतुलन बिगड़ने से हुआ हादसा

घायल हो गए। परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

थाना प्रभारी का कहना है कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि संतुलन बिगड़ने के कारण कृष्ण सिंह नीचे गिर गए थे।

नोएडा के कलेक्शन एजेंट का रेलवे ट्रैक पर मिला शव

डासना में कलेक्शन करने आया था विशाल

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद के मसूरी में रेलवे ट्रैक पर एक कलेक्शन एजेंट का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। नोएडा के रहने वाले कलेक्शन एजेंट कलेक्शन के लिए डासना आए थे।

मसूरी क्षेत्र के रेलवे ट्रैक पर शुक्रवार रात एक युवक का शव पड़ा मिला। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सपा प्रत्याशी नसीम सोलंकी के खिलाफ जारी किया गया फतवा

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर के सीसामऊ विधानसभा उपचुनाव में सपा प्रत्याशी नसीम सोलंकी ने वनखंडेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने यहां पूजा-अर्चना कर शिवलिंग के पास दीपक जलाया। इसके बाद उनके खिलाफ फतवा जारी कर दिया गया है और उनसे माफी मांगने के लिए कहा गया है। वहीं सपा प्रत्याशी नसीम सोलंकी ने कहा है कि वह सब धर्मों का सम्मान करती हैं। चुनाव के कारण उनके मंदिर जाने को मुददा बनाया जा रहा है।

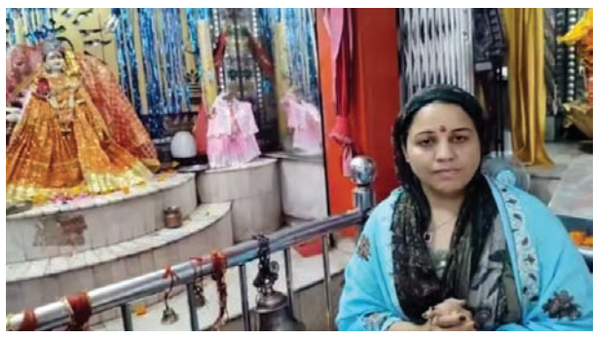

आपको बता दें कि दिवाली की देर रात मंदिर में जलाभिषेक के बाद सपा प्रत्याशी नसीम सोलंकी ने शिवलिंग को छूकर प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि मेरे पति और जनता की दुआएं मेरे साथ है। मैं अपने पति की तरह ही जनता के हितों के लिए काम करूंगी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

हरौला गांव में फांसी लगाकर की आत्महत्या

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 क्षेत्र के हरौला गांव में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

हरौला गांव में किराए पर रहने वाले 48 वर्षीय ठाकुर शाह के परिजन शुक्रवार को किसी काम से बाहर गए थे। शाम के समय जब वह वापस घर लौटे तो उन्हें दरवाजा खुला हुआ मिला। कमरे के भीतर ठाकुर शाह फांसी के फंदे पर लटके हुए थे। परिजनों ने उन्हें फंदे से नीचे उतारा और अस्पताल ले गए।

जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि अस्पताल से सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा (शेष पृष्ठ-3 पर)

स्कूटी सवार महिला व युवक की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में स्कूटी सवार महिला व युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गए।

मूल रूप से जनपद बुलंदशहर की रहने वाली धीरज कुमारी मदनपुर खादर दिल्ली स्थित लोकनायक अस्पताल की डिस्पेंसरी में कार्यरत थी। वह हाल में जगतपुरी दिल्ली में किराए पर रह रही थी। 30 अक्टूबर की सुबह वह ड्यूटी जाने के लिए स्कूटी पर घर से निकली थी। वह जैसे ही महामाया फ्लाई ओवर पर पहुंची तो पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि श्रीमती धीरज कुमारी की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। इस संबंध में मृतक के बेटे शिवरोज चंद्र ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम मिल्क लच्छी निवासी निशांत नागर, मनीष व रोहित दीपावली की रात्रि को पैदल रोजा गोल चक्कर से अपने खेत पर ट्यूबवेल चलाने के लिए जा रहे थे। पीछे से तेज गति में आ रहे कार चालक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

वेटर को गोली मारने वालों के बारे में मिला अहम सुराग

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के लाजिक्स मॉल के पास दिवाली की रात को युवक को गोली मारकर घायल करने के मामले में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे हैं। पुलिस का दावा है कि जल्दी इस मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

थाना सेक्टर 24 पुलिस को दिवाली की रात सूचना मिली कि लाजिक्स मॉल के पास एक युवक लहु लुहान हालात में सड़क पर पड़ा हुआ है। युवक के गोली लगी हुई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे दिल्ली के

मॉल के पास लहू-लुहान मिला था वेटर

सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस को जांच पड़ताल के दौरान घायल युवक का नाम दीपेश पता चला है। दीपेश हाल में सेक्टर 62 स्थित एक रेस्टोरेंट में वेटर का काम करता था।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि दीपावली की रात को दीपेश शराब के नशे में था और पैदल जा रहा था। इस दौरान उसकी कुछ लोगों से कहा सुनी हो गई। कहासुनी के दौरान ही उसे गोली मार दी गई। इस मामले में पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने के साथ-साथ जांच पड़ताल की। सीसीटीवी फुटेज व जांच पड़ताल के बाद पुलिस को बदमाशों के बारे में अहम सुराग मिले हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि जल्द ही इस मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बख्तावरपुर गांव से किशोरी लापता

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के बख्तावरपुर गांव से एक (15 वर्षीय) किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बख्तावरपुर गांव में किराए पर रहने वाले विनोद (काल्पनिक नाम) ने बताया कि 28 अक्टूबर की दोपहर को उसकी (15 वर्षीय) पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। विनोद ने अपनी पुत्री के साथ कोई अनहोनी होने की आशंका जताते हुए थाना सेक्टर-126 में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

दहेज में बहु नहीं लाई पांच लाख रुपये, ससुरालियों ने किया उत्पीड़न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 में एक महिला ने अपने पति, ससुर और सास के खिलाफ दहेज के लिए उत्पीड़न करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि ससुराल वाले उस पर मायके से 5 लाख रुपए लाने का दबाव बना रहे थे। उसके द्वारा इंकार करने पर उसके साथ मारपीट कर उसे मायके छोड़ गए।

कोमल (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी वर्ष 2021 में निठारी गांव निवासी प्रिंस अम्बावत के साथ हुई थी। शादी के समय उसके परिजनों ने खासा दान दहेज दिया था। इसके बावजूद भी उसका पति प्रिंस व ससुराल वाले उससे संतुष्ट नहीं थे। शादी के कुछ समय बाद ही उसके पति प्रिंस, ससुर रविंद्र व सास सुनीता ने उस पर मायके से दहेज लाने का दबाव डालना शुरू कर दिया।

पीड़िता का कहना है कि उस पर मायके से 5 लाख रुपए लाने का दबाव बनाया जाने लगा उसने जब इनकार किया तो उसके साथ आए दिन मारपीट की जाने लगी। ससुरालियों के उत्पीड़न से त्रस्त होकर उसने अपने पिता को घर की स्थिति बताई जिसके बाद उन्होंने मामले को सुलझाने का प्रयास किया। काफी समझाने के बावजूद भी उसके पति व ससुराल वाले अपनी जिद पर अड़े रहे और उसके पिता के साथ भी झगड़ा करने पर उतारू हो गए। 20 मई 2023 को उसका पति उसे मायके में घर के बाहर छोड़कर (शेष पृष्ठ-3 पर)

दीपावली पर बाजार में धूम 4.25 लाख करोड़ का कारोबार

12 नवंबर से शादी के सीजन पर टिकी हैं निगाहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपावली का त्यौहार परिवारों के साथ ही देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी खुशखबरी लाया है। त्यौहारी सीजन से देश की अर्थव्यवस्था को बूस्ट मिल रहा है। इससे पहले नवरात्रों के दौरान मात्र दस दिन में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार होने का अनुमान जताया गया था, अब दीवाली पर 4.25 लाख करोड़ रुपये के सामान की खरीदारी की बात सामने आई है।

त्यौहारी सीजन के दौरान ही धनतेरस पर पूरे देश में 6 हजार करोड़

रूपये से ज्यादा का व्यापार हुआ था। इस दिन 30 टन से ज्यादा सोने की बिक्री पूरे देश में हुई है।

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और दिल्ली की चांदनी चौक सीट से भाजपा के लोकसभा सांसद प्रवीण खंडेलवाल के इस दावे के मुताबिक, भारतीय उत्पाद-सबका उस्ताद ने दीवाली पर जबरदस्त धूम मचाई है। इसे ग्राहकों का खूब समर्थन मिला है। अब 12 नवम्बर से प्रारंभ होने वाले शादियों के सीजन पर व्यापारियों की निगाहें टिकी हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा

फ़ोन .08750611103

अंधेरे दूर

ऋतुचक्र में बदलाव और किसानी संस्कृति के उल्लास के बीच आता है दीपोत्सव। वर्षा ऋतु से उपजी जीवन की एकरसता को तोड़ने का कार्य दीपपर्व शृंखला ही करती है। दीपावली हमारे तन-मन के अंधेरे दूर करने का पर्व भी है। यह त्योहार न केवल हमारी आर्थिकी की प्राणवायु है बल्कि जीवन की उदासीनता को दूर कर उसमें नयी ऊर्जा का संचार भी करता है। त्योहारों के देश भारत में ऐसे उत्सवों के गहरे निहितार्थ हैं। सामाजिकता के लिहाज से भी और आर्थिकी के लक्ष्य के हिसाब से भी। विभिन्न संस्कृति व भाषा वाले देश में किसी राज्य में त्योहार का स्वरूप व उसकी कथा अलग हो सकती है, लेकिन पर्व का मर्म जीवन में उल्लास भरना ही है। दरअसल, कृत्रिमता से लबरेज महानगरीय समाज में एकाकी होते जीवन में रंग भरने आते हैं त्योहार। इस मौके पर अपने मित्रों और रिश्तेदारों को हम दीपोत्सव की शुभकामनाएं व उपहार देते हैं। बहुत संभव है हम उनसे सालभर में एकाध बार ही मिले हों। भले ही त्योहार की औपचारिकताओं में ही सही, तमाम घरों में हम सब का आना-जाना होता है। इस बहाने हम एक-दूसरे के हालचाल पूछ लेते हैं। अन्य शब्दों में कहें तो दीवाली जैसे त्योहार हमारे समाज के सेफ्टीवॉल का ही काम करते हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों व महानगरीय जीवन में तमाम मनोकायिक रोगों की जड़ हमारा समाज से विलग होना ही तो है। सरस व सहज संवाद का अभाव हमारे जीवन को एकाकी बनाता है। भले ही हम कितने ही मुगालते पाल लें, सरस-सहज सामाजिकता का विकल्प सोशल मीडिया कदापि नहीं हो सकता। निस्संदेह, जीवंत जीवन मधुर संबंधों से ही चलता है। आर्थिक संपन्नता हमारी सामाजिकता का विकल्प नहीं हो सकती। आम दिनों में समाज में मिलना-जुलना हमें सहज-सरल बनाता है। फिर हम खुद को हल्का महसूस करते हैं। जिससे कई तरह के मनोविकारों से भी हम बचते हैं। निस्संदेह, शरीर हो या समाज, गतिशीलता ही उसे जीवंत बनाये रखती है। जैसे नदी की गतिशील धारा खुद को निर्मल करती हुई आगे बढ़ती है। विडंबना देखिए कि बदलते वक्त के साथ अमीरी के फूहड़ प्रदर्शन से हमने उजाले के पर्व में कृत्रिमताओं के अंधेरे लाद दिए हैं। इस त्योहार को हमने ऑफिस, बाजार-कारोबार व आर्थिक लक्ष्यों के चलते लेन-देन के संजाल में उलझा दिया है। त्योहार मनाने का यह तरीका कष्टकारी ही है और पर्व के मर्म से छल ही है। जिससे सहज-सरल लोग खुद को अलग-थलग महसूस करते हैं। त्योहार कोई भी हो समाज के हर अगड़े-पिछड़े वर्ग को साथ मिलकर मनाना उसका मकसद होता है। हम एक दीया ऐसा भी जलाएं जो किसी दूसरे के घर के अंधेरे को दूर करे। वे लोग जो विशुद्ध बाजारी स्पर्धा में पिछड़ गए हैं, जो प्राकृतिक आपदाओं से उजड़े हैं,जो किसी कमाऊ व्यक्ति के जाने से विपन्न हैं, जिनके अपने बिछुड़े हैं, ऐसे लोगों के जीवन में मदद का दीप जलाने में ही इस दीपोत्सव की सार्थकता होगी। त्योहार तभी व्यापक अर्थों में सार्थक होता है जब समता-ममता का दीया हर घर में जले। समाज में कोई गरीब नहीं होना चाहता, देश-काल व परिस्थितियां उसे विपन्न बनाती हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में मौलिक अधिकारों के साथ हमारे कुछ मौलिक दायित्व भी हैं। जो किसी दुखी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान ला सकें। बूंद-बूंद से सागर भरता है तो दीये की शृंखला ऐसे ही हमारे समाज के कई तरह के अंधेरे दूर कर सकती है। वहीं दूसरी ओर घरों व अस्पतालों में तमाम ऐसे बीमार लोग हैं, जिन्हें धमाकों के शोर और पटाखों के प्रदूषण से कष्ट होता है। उन लोगों की भी सोचें जो सांस व लंग्स आदि की बीमारियों से जूझ रहे हैं। हमें अपने पर्यावरण व जीव-जंतुओं की भी फिक्र होनी चाहिए। तेज पटाखों से हमारे अंग-संग रहने वाले जानवर-पक्षी बदहवास नजर आते हैं। इस दुनिया में जितना अधिकार हमारा है उतना ही अन्य जीवों का भी है। वैसे भी खुशी का पटाखे से कोई सीधा रिश्ता भी तो नहीं है, खुशी तो हमारी मनोदशा पर निर्भर करती है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि यों कहकर नारद मुनि ब्रह्मलोक को चले गए। इस प्रकार कहकर मैना पति के चरणों पर मस्तक रखकर गिर पड़ीं। तब हिमवान ने प्रेम से कहा- चाहे चन्द्रमा में अग्नि प्रकट हो जाए, पर नारदजी के वचन झूठे नहीं हो सकते॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-प्रिया सोचु परिहरहु सबु सुमिरहु श्रीभगवान।
पारबतिहि निरमयउ जेहिं सोइ करिहि कल्यान॥

हे प्रिये! सब सोच छोड़कर श्री भगवान का स्मरण करो, जिन्होंने पार्वती को रचा है, वे ही कल्याण करेंगे॥

अब जौं तुम्हहि सुता पर नेहू। तौ अस जाइ सिखावनु देहू॥
करै सो तपु जेहिं मिलहिं महेसू। आन उपायँ न मिटिहि कलेसू॥

अब यदि तुम्हें कन्या पर प्रेम है, तो जाकर उसे यह शिक्षा दो कि वह ऐसा तप करे, जिससे शिवजी मिल जाएँ। दूसरे उपाय से यह क्लेश नहीं मिटेगा॥

नारद बचन सगर्भ सहेतू। सुंदर सब गुन निधि बृषकेतू॥
अस बिचारि तुम्ह तजहु असंका। सबहि भाँति संकरु अकलंका॥

नारदजी के वचन रहस्य से युक्त और सकारण हैं और शिवजी समस्त सुंदर गुणों के भण्डार हैं। यह विचारकर तुम (मिथ्या) संदेह को छोड़ दो। शिवजी सभी तरह से निष्कलंक हैं॥

(क्रमशः..)

भारत के मूल में सनातन हिंदू संस्कृति का आधार है

किसी भी राष्ट्र के मूल में कुछ तत्व निहित होते हैं, जिनके बल पर वह देश आगे बढ़ता है और समाज के विभिन्न वर्गों को एकता के सूत्र में पिरोए रखता है। भारत के एक राष्ट्र के रूप में, इसके मूल में, सनातन हिंदू संस्कृति का आधार है जो हजारों वर्षों से भारत को आज भी भारत के मूल रूप में ही जीवित रखे हुए है। अन्यथा, पिछले लगभग 1000 वर्षों में भारत को तोड़ने के लिए अरब के आक्रांताओं और अंग्रेजो द्वारा अनेकानेक प्रयास किए गए हैं। अरब के आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने बहुत अधिक प्रयास किए कि किसी तरह भारतीय मूल संस्कृति को तहस नहस किया जाय, शिक्षा पद्धति को ध्वस्त किया जाय, बलात हिंदुओं का धर्म परिवर्तन किया जाय, आदि आदि। इन प्रयासों में उन्हें कुछ सफलता तो अवश्य मिली परंतु पूर्ण रूप से भारतीय संस्कृति को समाप्त नहीं कर पाए। जबकि कई अन्य देशों (ईरान, लेबनान, इंडोनेशिया, मिस्त्र, ग्रीक आदि) में इनके यही प्रयास पूर्ण रूप से सफल रहे एवं वहां के लगभग सम्पूर्ण नागरिकों को इस्लाम में परिवर्तित करने में वे सफल रहे। भारत में चूंकि सनातन हिंदू धर्म का बोलबाला है अत: यहां इन तत्वों को आज तक सफलता नहीं मिली है, हालांकि इनके प्रयास अभी भी जारी हैं। भारतीय सनातन संस्कृति ने न केवल भारत को एकता के सूत्र में पिरोया है बल्कि पूरे विश्व को ही भारत के साथ जोड़ा है। अब तो भारत में 'एक भारत - श्रेष्ठ भारत' के रूप में एक महत्वपूर्ण अध्याय लिखा जा रहा है।

भारत में प्राचीन ऋषियों और मनीषियों की परंपरा एक गृहस्थ परंपरा रही है और उस गृहस्थ परंपरा में आध्यात्म के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन भी जुड़ा रहा है। अपने राज्य के ऋषियों के जीवन यापन की चिंता जहां राजा की प्राथमिकता में रहता था वहीं राजा को राज्य चलाने के लिए उचित मार्गदर्शन देने का सांस्कृतिक कार्य उन ऋषि-मुनियों द्वारा किया जाता था। इसलिए उन मनीषियों का चिंतन आर्थिक दिशा में भी सदैव बना रहता था। राजा अपने राज्य का विस्तार करने के साथ-साथ उसे आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध कैसे बनाएं इसके बारे में ऋषि-मुनियों के साथ बैठकर ही राज दरबार में चिंतन होता था और राज्य आर्थिक रूप से सशक्त बन जाते थे। इसलिए भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था।

भारत की कुटुंब व्यवस्था अपने आप में एक अनूठी कुटुंब व्यवस्था है। भारत के संयुक्त परिवार विश्व के लिए आश्चर्य का विषय रहे हैं। इन दिनों संयुक्त परिवार विघटित अवश्य होते जा रहे हैं, लेकिन बावजूद उसके आपातकाल में एक दूसरे के लिए सबके एकत्र होने की जो जिजीविषा उन सबके भीतर है वह भारत में कुटुंब व्यवस्था का अनूठा स्वरूप है, तथा यह स्वरूप देश की अर्थव्यवस्था को भी आगे बढ़ाने का काम करता है। एक परिवार में दो हाथ कमाने जाते हों और वहीं दस हाथ कमाने जाते हों, दोनों बातों का फर्क होता है। इसलिए कुटुंब व्यवस्था में एक दूसरे के लिए आपस में खड़े होने का जो व्यवहार होता है,वह व्यवहार आर्थिक चिंतन के साथ भी जुड़ कर परिवार को आगे बढ़ाने का काम करता है।

भारत में प्राचीन काल से पर्यावरण को पर्याप्त महत्व दिया जाता रहा है। देश में नदियां शुद्ध रहती थी वृक्ष घने जंगलों के रूप में रहते थे और पूरा पर्यावरण शुद्ध रहता था। पूरे विश्व में भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पर नदियों को, पहाड़ों को, वृक्षों को एवं धरती को पूजा जाता है।

भारत में प्राचीन काल से पर्यावरण को पर्याप्त महत्व दिया जाता रहा है। देश में नदियां शुद्ध रहती थी वृक्ष घने जंगलों के रूप में रहते थे और पूरा पर्यावरण शुद्ध रहता था। पूरे विश्व में भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पर नदियों को, पहाड़ों को, वृक्षों को एवं धरती को पूजा जाता है। पूरे पर्यावरण से परिवार का जुड़ाव धार्मिक रूप से रहता है। बहुत सारे व्रत और त्यौहार पर्यावरण से जुड़े हुए रहते हैं। इसलिए सनातन काल से भारत में पर्यावरण की चिंता रही है। जैविक विविधता ने भी भारत के सनातन काल को समृद्ध किया। पर्यावरण संरक्षण को उस समय में नैतिक कर्तव्य माना गया है। बाद में जब मुगलों ने भारत में शासन किया और हिंदुओं का धर्मांतरण किया तो बहुत सारी परंपराएं भी खंडित होने लगी। सनातन काल में जिस गौ माता को पूजा जाता था मुस्लिम उस गौ माता को खाने लगे। मुस्लिम शासन काल भारत के पतन और विखंडन का समय था। उनके बाद जब इस देश में अंग्रेज आ गए तो उनकी निगाह में भारतीय अपरिपक्व और मूर्ख रहे इन दोनों के समय में, मुगलों ने और अंग्रेजों ने भारत को दोनों हाथों से लूटकर खाली कर दिया। जो भारतीय अर्थव्यवस्था कभी विश्व की अर्थव्यवस्था का 33 प्रतिशत हिस्सा थी वह बहुत नीचे जा चुकी थी। पर्यावरण बिखरने लगा। नालंदा जैसे विश्वविद्यालय को नुकसान पहुंचाया गया। उसकी लाइब्रेरी को जला दिया गया। इस सब के पीछे भारत को ज्ञान के स्तर पर समाप्त करने की साजिश काम कर रही थी। मुस्लिम शासक हिंदुओं के धर्मांतरण पर, हिंदुओं को मारने पर और उनकी संपत्ति हड़पने पर काम कर रहे थे। ऐसा कहा जाता है कि औरंगजेब ब्राह्मणों को मारकर रोज सवा मन जनेऊ जलाता था। मंदिरों को नष्ट कर उन पर मस्जिदें बना दी गई। दक्षिण ने अपने आपको इस मुस्लिम आक्रमण से बहुत बचाया और इसीलिए भारत के दक्षिण भाग में आज भी समृद्ध मंदिर हैं, जो उस कालखंड के गौरव की प्रस्तुति के रूप में हमारे सामने खड़े हुए हैं। इसी कालखंड में भारत का भक्ति काल जरूर समृद्ध हुआ और उसने भारत के निवासियों को मानसिक ताकत प्रदान की। तुलसीदास की भक्ति के सामने अकबर जैसा आदमी डर गया और झुक गया।

प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों एवं धार्मिक पर्यटन का भारत के आर्थिक विकास पर पूर्ण प्रभाव रहा है। प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों से अर्थव्यवस्था को बल मिलता रहा है इसलिए उस कालखंड में धार्मिक आयोजन निरंतर होते रहे हैं। भारत की ऋषि परंपरा ने जन सामान्य को उन सबके साथ जोड़ कर रखा था। त्यौहारों की निरंतरता और उन्हें मनाए जाने का उत्साह भारत की तत्कालीन अर्थव्यवस्था को गति देता रहा है। आज के वक्त में भी धार्मिक पर्यटन के चलते भारतीय पर्यटन उद्योग में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। वर्तमान केंद्र सरकार के द्वारा भी पिछले 10 वर्षों में भारत में विभिन्न तीर्थस्थलों को विकसित किया जा रहा है। अभी तक जो तीर्थस्थल विकसित हो चुके हैं,वहां का पर्यटन एकदम से कई गुना बढ़ गया है। वहां की आर्थिक समृद्धि बढ़ गई है। वहां के लोगों का जीवन स्तर बढ़ गया है। वहां संपत्तियों के दाम बढ़ गए हैं। इसलिए इस दिशा में सरकार अब आगे और कार्य करने जा रही है तथा कई नवीन धार्मिक कारीडोर बनाने जा रही है,क्योंकि इससे रोजगार के लाखों नए अवसर उत्पन्न होंगे।

भारतीय संस्कृति के अनुसार, व्यक्ति के ऊपर परिवार, समाज, राष्ट्र, सृष्टि एवं परमेशटी को क्रमश: माना गया है। अत: भारतीय विचारधारा इस्लाम एवं चर्च की विचारधारा के ठीक विपरीत आचरण करना सिखाती है, विशेष रूप से सनातन संस्कृति में जो व्यक्ति जितना विशेष होगा वह उतना ही विनयपूर्ण होगा और इस नाते भारतीय सनातन संस्कृति अविभाजनकारी दर्शन पर चलकर सर्वसमावेशी है। इसमें ईश्वरीय भाव जाहिर होता है। जो मेरे अंदर है वही आपके अंदर भी है अर्थात मुझमें भी ईश्वर है और आपमें भी ईश्वर का वास है। इस प्रकार प्रत्येक भारतीय, चाहे वह किसी भी जाति का हो, किसी भी मत, पंथ को मानने वाला हो, अपने आप को भारत माता का सपूत कहने में गर्व का अनुभव करता है। और, इसलिए भारतीय सनातन संस्कृति अन्य संस्कृतियों को भी अपने आप में आत्मसात करने की क्षमता रखती है। इतिहास में इस प्रकार के कई उदाहरण दिखाई देते हैं। जैसे पारसी आज अपने मूल देश में नहीं बच पाए हैं लेकिन भारत में वे रच बस गए हैं। इसी प्रकार इस्लाम पंथ को मानने वाले लगभग सभी फिर्के भारत में निवास करते हैं जबकि विश्व के कई इस्लामी देशों में केवल एक विशेष प्रकार के फिर्के पाए जाते हैं।

भारतीय संस्कृति में एकात्मता का सोच है। भारत पूरे विश्व की मंगल कामना करता है एवं वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय, जैसे सिद्धांतो पर विश्वास करता है। चाहे किसी भी व्यक्ति की कोई भी पूजा पद्धति क्यों न हो, पूरे भारत में एक जैसा हिंदू दर्शन है। हिंदू दर्शन ही भारत में राष्ट्र तत्व है जो पश्चिम की सोच से अलग है। हिंदू दर्शन एक मौलिक दर्शन है।

भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए भारत के आर्थिक विकास को देखकर अब विकसित देश भी भारतीय संस्कृति को श्रेष्ठ मानते हुए इसकी ओर आकर्षित हो रहे हैं ताकि वे अपनी आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं को हल कर सकें। कुल मिलाकर अब भारतीय आर्थिक दर्शन ही पूरे विश्व को बचा सकता है, क्योंकि वह कर्म आधारित है और एकात्म मानवता पर केंद्रित है।

-प्रहलाद सबनानी
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक

महंगाई से छुटकारे की तलाश

भाई जान, ऐसे दिन हम पर गुजरे हैं कि आपको क्या बताएं। सब ठीक ठाक चल रहा था। देश में काम नहीं चल रहा था, लेकिन रोज़ मीडिया में घोषणा हो जाती कि हमने नई उपलब्धियों के मीनार विजय कर लिए। तय वक्त पर काम हो जाने के वायदों के साथ हर शहर में सुविधा केन्द्रों की इमारतें खड़ी कर दी गई थीं, जहां चुटकी बजाकर आपका काम करवा देने वालों के झुंड खड़े रहते। जी हां, इन्हीं लोगों को मध्यजन कहते हैं। यह वही लोग थे जिनके बारे में किसी पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा था कि अपने देश में आम जनता के कल्याण के लिए एक रुपया खरचे, तो सत्तासी पैसे इनकी जेब में जाते हैं। वक्त बदल गया है और इसका तेवर भी। आज के प्रधानमंत्री फरमाते हैं कि एक रुपया खरचे तो नब्बे पैसे आम आदमी तक पहुंच जाते हैं। बीच के इन लोगों के तावान से आम जन को छुटकारा मिल गया। भ्रष्टाचार की महामारी से लोगों को छुटकारा मिल गया। 'साब की घोषणा ही तो थी, करनी थी कर दी। विश्व का भ्रष्टाचार सूचकांक चिल्लाता रहा, साब क्या बात करते हो। विश्व के सबसे दस महाभ्रष्टाचारी देशों में अब भी आपका स्थान सुरक्षित है और ये मध्यजन अब भी श्रीमन्त बन कर अपनी-अपनी मेज़ कुर्सी इन सुविधा केन्द्रों के प्रांगण में डाल साइकिल से मोटरसाइकिल और मोटरसाइकिल से कार बन रहे हैं। विश्व भ्रष्टाचार तालिका में आपका देश वहीं खड़ा है, आपकी सब कुछ बदल जाने की घोषणाओं के बावजूद। ये घोषणाएं कैसी लुकमान अली की दवाएं होती हैं। देश यथास्थितिवाद का आदी हो गया है और यहां आपको सब कुछ बदल जाने का आभास दिया जाता है। परिवर्तन की राह पर चलते हुए ज़माना कयामत की चाल चल गया और आप फरमा रहे हैं, आह! हमारी यह देव धरा! आओ अपने अतीत का पूजन करें।

ऐ दुनिया वालो जिस तरक्की पर तुम इतराते हो, इसका आविष्कार तो हमने हज़ारों-लाखों वर्ष पहले कर लिया था। रामायण और महाभारत युद्ध में चले अग्निबाण आज के एटम बम ही तो थे। रावण का पुष्पक विमान आज के सुपरसॉनिक जैट से तेज़ उड़ता था। धन्वन्तरी की उपचार विद्या का अन्त नहीं है। लेकिन मेरा भारत महान के इन नारों भरे माहौल में महंगाई का भूत पता नहीं कहां से उतर आया। दुनियाभर के देश भी इसके आघात से त्राहिमाम कर रहे हैं, लेकिन यह हमारी पुण्य धरती पर भी उतर आए। दुनिया भर को तो इसकी चपेट में आना था. लेकिन हम तो अपने देश में अच्छे दिनों का इंतजार कर रहे थे। हमें वह दौर याद आ गया जब कुछ साल पहले एक महामारी के भय से पूरा भयाक्रांत देश घरों में बंद हो गया। सडक़ें सूनी हो गईं। गली मोहल्ले इसकी आमद के भय से भयभीत हो गए थे। कल-कारखानों, फैक्टरियों और मिलों के भोंपुओं ने चुप्पी की चादर ओढ़ ली थी। भुखमरी उनके दरवाज़ों पर दस्तक देने लगी थी। बिल्कुल ऐसा ही हाल महंगाई ने लोगों का कर डाला है। नारे और घोषणाएं चाहे कितनी भी होती रहें, लेकिन महंगाई का दानव दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। कब तक यूं ही चलता रहेगा? देश में भुखमरी और भविष्य-हीनता के अंधेरे उन करोड़ों लोगों को सताने लगे जो रोज़ कुआं खोदते थे और रोज़ पानी पीते थे। हम नहीं कहते कि सरकार ने इनकी समस्या का समाधान नहीं किया। लोगों की भूख से आंतें झुलसने लगी हैं, लेकिन कोई बात नहीं, इस बार दिवाली पर रोशनी भरपूर होनी चाहिए। देश के बेकाम हाथों को काम चाहिए। कल-कारखानों के शोरशराबे और फैक्टरियों के विद्युत गति से चलते काम में लोगों को दो जून की रोटी भी सहजता से उपलब्ध होनी चाहिए। अब खुशियां तो मनानी ही हैं, चाहे उधार लेकर काम चला लीजिए। रब्ब सब भला करेगा।

-आमीन

राशिफल

कार्तिक शुक्ल : प्रतिपदा | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अनावश्यक खर्च होंगे, रोग व्याधि, अनाब शनाब खर्चे, चोरी होना या पैसा कहीं खो जाना इत्यादि मतलब लॉस के चांसेस हैं।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
यात्रा में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। स्वास्थ्य आपका मध्यम है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यापार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। कोर्ट-कचहरी में हार का संकेत दिख रहा है या असमंजस की स्थिति रहेगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
कार्यों में विघ्न बाधा रहेगी। भाग्य में रोड़े रहेंगे। अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू मैं-मैं के संकेत हैं। स्वास्थ्य खराब स्थिति में दिख रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कन्या राशि की स्थिति 1 तरीके से ठीक-ठाक कही जाएगी लेकिन जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्यों की विघ्न बाधा खत्म होगी। राह के रोड़े हटेंगे। स्वास्थ्य प्रभावित होगा। प्रेम, संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू मैं-मैं से बचें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी न लें। भावुक बने रहेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
घरेलू सुख बाधित। गृह कलह के संकेत। स्वास्थ्य मध्यम क्योंकि रक्तचाप ऊपर नीचे होता रहेगा। मां का स्वास्थ्य गड़बड़।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
नाक, कान, गले की परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान मध्यम, व्यापार मध्यम।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। गंदी जुबान से बचें। धन हानि के संकेत हैं। प्रेम संतान ठीक है, व्यापार भी लगभग ठीक रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आपके घर-परिवार में पूजा आदि का योग है। घर में शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है।

दीदी की रसोई ट्रस्ट ने मनाया दीपावली का पर्व

नोएडा (चेतना मंच)। शिव नगरी सेक्टर-17 नोएडा मंदिर पर दीदी की रसोई ट्रस्ट टीम ने दीपावली का पर्व बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा, कोषाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ हुई। इस अवसर पर ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा द्वारा बच्चों को मिठाई बांटकर दीपावली के पर्व के महत्व को रेखांकित किया तथा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता गंगेश्वर दत्त शर्मा, ट्रस्ट की पदाधिकारी प्रीति गुप्ता, सविता देवी, लक्ष्मी देवी, गुड़िया देवी, रेखा चौहान, सुमन राय, सुमति आदि टीम सदस्यों को सम्मानित किया। अथक मेहनत से बेहतरीन तरीके से समाज सेवा और ट्रस्ट के संचालन के लिए टीम सदस्यों द्वारा ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा को सम्मानित कर उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा व ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा द्वारा सभी शहरवासियों को दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दोज व छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दिये जाने के साथ हुई।

पृष्ठ एक के शेष....

कश्मीर से आतंक का ....

पता लगाकर उनकी घेराबंदी करते दिख रहे हैं. वहीं वीडियो में ताबड़तोड़ फायरिंग और धमाकों की आवाज भी आ रही है. बताया जा रहा है कि खानयार में एक शीर्ष गैर स्थानीय कमांडर सहित 2 से 3 लश्कर आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने घेर लिया है. पुलिस और सीआरपीएफ का संयुक्त अभियान जारी है।

खानयार का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें आतंकी एक घर के भीतर छिपे हुए हैं और लगातार फायरिंग कर रहे हैं। सुरक्षाबलों ने इन्हें पूरी तरह से घेर लिया है. बताया जा रहा है कि सुरक्षाकर्मी किसी भी तरह की चूक किए बिना इन आतंकियों को पकड़ना चाहती है. इसके लिए सुरक्षाबल आतंकियों की गोलियों के खत्म होने का भी इंतजार कर रही है।

आतिशबाजी ने इस बार....

दिवाली की दिन चली हवा को इसका कारण बताया जा रहा है। एनसीआर में दिवाली पर आतिशबाजी करने पर भी रोक है। इसके बाद भी नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में बृहस्पतिवार को दिवाली की रात जमकर आतिशबाजी की गई। आशंका थी कि पिछले वर्षों की तरह दिवाली के अगले दिन वायु प्रदूषण का स्तर बहुत बढ़ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 258 और नोएडा का एक्यूआई 274 रहा है। जो पांच वर्षों में सबसे कम है। कोरोना काल में भी दिवाली के एक दिन बाद के प्रदूषण का स्तर इस वर्ष के मुकाबले ज्यादा था।

सपा प्रत्याशी नसीम....

बता दें कि नसीम सोलंकी पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की पत्नी हैं।

सीसामऊ विधानसभा उप चुनाव के लिए सपा ने नसीम सोलंकी को अपना प्रत्याशी घोषित किया था। टिकट की अधिकारिक घोषणा के बाद जब सपाई उन्हें बधाई देने के लिए उनके घर पहुंचे थे, तो नसीम परिजनों से लिपटकर फूट-फूट कर रोईं थीं। मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद उनके खिलाफ फतवा जारी किया गया है। मुफ्ती शाहबुददीन रिजवी ने कहा है कि उन्हें कलमा पढ़कर मांगनी मांगनी चाहिए।

नोएडा के कलेक्शन.....

युवक की शिनाख्त नोएडा सेक्टर-63 की 25 फीटा रोड निवासी विशाल तिवारी (25) के रूप में हुई। विशाल एक कंपनी में कलेक्शन एजेंट थे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

विशाल के मामा हनुमान तिवारी ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब चार बजे विशाल डासना में कलेक्शन के लिए घर से गए थे, जबकि छह बजे करीब उसने अपने भाई से फोन पर एक घंटे में घर लौटने की बात भी कही थी।

लेकिन जब वह साढ़े सात बजे तक घर नहीं पहुंचे तो उनके भाई ने विशाल को फोन किया। फोन जेल चौकी से पुलिसकर्मी ने उठाया और उन्हें विशाल के दुर्घटना होने की जानकारी दी। जब परिजन जेल चौकी पहुंचे तो पुलिस ने बताया कि विशाल का शव रेलवे ट्रैक पर मिला है।

घटना स्थल से करीब 200 मीटर दूर बाइक खड़ी मिली। ऐसे में परिजनों ने हत्या करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि घर से विशाल कलेक्शन के लिए निकला था। वह अपने पिता सुमन तिवारी के साथ ही रहते थे। उनकी ढाई साल पहले ही पल्लवी से शादी हुई थी। उनका एक छह माह का बच्चा है। एसीपी मसूरी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है। घटना स्थल के पास से शराब की बोतल और गिलास मिला है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। जांच की जा रही है।

दीपावली पर बाजार में...

खंडेलवाल ने बताया, देश के लगभग हर कौने में दीवाली का पर्व बेहद उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने जमकर दीवाली की खरीदारी की। बड़े कारोबारियों के साथ साथ छोटा व्यापार करने वाले लोग जैसे कुम्हार, कारीगर एवं घरों में दीवाली का सामान बनाने वाले लोगों ने भी बड़े पैमाने पर अपने सामान की बिक्री की है। लोगों ने छोटे व्यापारियों को एक बड़ा बूस्ट प्रदान किया है। हर साल की भांति इस दीवाली पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान के तहत भारतीय सामान की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

मिट्टी के दीये, भगवान की मूर्तियों, घर सजावट का सामान, वंदनवार, फूल-पत्तियां, फल एवं पूजा का सामान, बिजली की रंगबिरंगी लड़ियां, मिठाई एवं नमकीन, कपड़े, हैंडिक्राफ्ट आइटम्स, उपहार की वस्तुओं, फुटवियर, मेकअप का सामान, कॉस्मेटिक्स, सोने चाँदी के आभूषण व दूसरा सामान और अन्य घरेलू उत्पादों की भारी मांग रही।

इससे स्थानीय व्यापारियों और कारीगरों को काफी लाभ मिला है। इस दीवाली पर 4.25 लाख करोड़ रुपये के सामान की बिक्री हुई है। यह अभी तक का एक रिकॉर्ड व्यापार है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया, एक मोटे अनुमान के अनुसार 4.25 लाख करोड़ रुपये के त्योहारों के व्यापार में लगभग 13% खाद्य एवं किराना में, 9% ज्वेलरी में, 12% वस्त्र एवं गारमेंट, 4% ड्राई फ्रूट, मिठाई एवं नमकीन, 3% घर की साज सज्जा, 6% कास्मेटिक्स, 8% इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मोबाइल, 3% पूजन सामग्री एवं पूजा वस्तुओं, 3% बर्तन तथा रसोई उपकरण, 2% कॉन्फ़ेक्शनरी एवं बेकरी, 8% गिफ्ट आइटम्स, 4% फ़र्निशिंग एवं फर्नीचर एवं शेष 20% ऑटोमोबाइल, हार्डवेयर, इलेक्ट्रिकल, खिलौने सहित अन्य अनेक वस्तुओं एवं सेवाओं पर ग्राहकों द्वारा खर्च किया गया है। पैकिंग कारोबार को भी एक बड़ा बाजार मिला है।

स्कूटी सवार महिला ....

इस हादसे में निशांत नागर गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने मौके पर कार चालक अनुभव तिवारी निवासी चिपियाना बुजुर्ग को दबोच लिया। घटना के समय वह शराब के नशे में धुत था। निशांत नागर को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में गौरव कुमार ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

दहेज में बहु नहीं लाई....

वापस आ गया। कई बार इस मामले में ससुराल वालों को समझाने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने उसे रखने से इंकार कर दिया।

थाना ईकोटेक तीन प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

हरौला गांव में फांसी ....

भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि ठाकुर शाह पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ–2024

छठ पूजा त्यौहार के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 02.11.2024 से 04.11.2024 तक पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

दिनांक 02.11.2024 (शनिवार) को पूर्व दिशा की ओर प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
04032	आनन्द विहार (टर्मि.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, दरभंगा जं., सकरी जं., झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी
04044	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:15	गोरखपुर जं.	14:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, चन्दौसी जं., बरेली कैंट, सीतापुर, गोंडा जं. एवं बस्ती
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं.
02398	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:20	गया	00:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
03576	आनन्द विहार (टर्मि.)	10:15	आसनसोल जं.	10:20	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., सासाराम, डेहरी ऑन सोन, गया जं., कोडरमा जं. और धनबाद जं.
04040	आनन्द विहार (टर्मि.)	11:30	भागलपुर	11:40	3 टियर वाता. इकोनॉमी	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., बख्तियारपुर जं., मोकामा, लक्खीसराय जं., किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
02248	नई दिल्ली	08:25	पटना जं.	20:30	वाता. कुर्सीयान, एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04062	आनन्द विहार (टर्मि.)	09:00	बरौनी जं.	06:30	3 टियर वाता.	अलीगढ़ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुलतानपुर, जौनपुर जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा और हाजीपुर जं.
02392	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:20	पटना जं.	17:20	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं.
02526	आनन्द विहार (टर्मि.)	17:20	कामाख्या	03:40	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, द्वितीय श्रेणी एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टूंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा जं., दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जं., बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., नवगछिया, कटिहार जं., बारसोई जं., किशनगंज, न्यु जलपाईगुड़ी, न्यू कोचबिहार, तूफानगंज, गोलकगंज, गौरीपुर, अभयापुरी असम एवं गोवालपाड़ा टाउन
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
02878	आनन्द विहार (टर्मि.)	04:00	राँची	05:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, नबी नगर रोड, जपला, गढ़वा रोड, डालटनगंज, लातेहार, टोरी, बरकाकाना एवं मूरी
02262	नई दिल्ली	00:20	दरभंगा	21:15	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02252	नई दिल्ली	08:25	पटना जं.	20:00	वाता. कुर्सीयान, एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा
03484	नई दिल्ली	10:30	भागलपुर	04:10	शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहिब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा, हाथीदा जं. बड़हिया, लक्खीसराय जं., किऊल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर और सुलतानगंज
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04038	दिल्ली जं.	19:10	आज़मगढ़	11:30	3 टियर वाता.	मुरादाबाद, बरेली, हरदोई, लखनऊ, सुलतानपुर, जौनपुर सिटी, जौनपुर जं. एवं शाहगंज जं.
04236	दिल्ली जं.	10:00	हाजीपुर जं.	07:40	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	साहिबाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, छपरा एवं सोनपुर

दिनांक 03.11.2024 (रविवार) को पूर्व दिशा की ओर प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

04498	आनन्द विहार (टर्मि.)	19:30	बलिया	13:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, रायबरेली जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., वाराणसी जं., औंड़िहार जं. और गाजीपुर सिटी
04032	आनन्द विहार (टर्मि.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, दरभंगा जं., सकरी जं., झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी
04062	आनन्द विहार (टर्मि.)	09:00	बरौनी जं.	06:30	3 टियर वाता.	अलीगढ़ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुलतानपुर, जौनपुर जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा और हाजीपुर जं.
02392	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:20	पटना जं.	17:20	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं.
02526	आनन्द विहार (टर्मि.)	17:20	कामाख्या	03:40	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, द्वितीय श्रेणी एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टूंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा जं., दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जं., बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., नवगछिया, कटिहार जं., बारसोई जं., किशनगंज, न्यु जलपाईगुड़ी, न्यू कोचबिहार, तूफानगंज, गोलकगंज, गौरीपुर, अभयापुरी असम एवं गोवालपाड़ा टाउन
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
02878	आनन्द विहार (टर्मि.)	04:00	राँची	05:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, नबी नगर रोड, जपला, गढ़वा रोड, डालटनगंज, लातेहार, टोरी, बरकाकाना एवं मूरी
02262	नई दिल्ली	00:20	दरभंगा	21:15	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02252	नई दिल्ली	08:25	पटना जं.	20:00	वाता. कुर्सीयान, एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा
03484	नई दिल्ली	10:30	भागलपुर	04:10	शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहिब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा, हाथीदा जं. बड़हिया, लक्खीसराय जं., किऊल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर, सुलतानगंज, भागलपुर, कहलगांव, साहिबगंज जं., बरहरवा जं. एवं न्यू फरक्का जं.
02276	नई दिल्ली	09:30	प्रयागराज जं.	19:20	3 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता. इकोनॉमी,	अलीगढ़ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल और फतेहपुर
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर
04494	नई दिल्ली	05:00	पटना जं.	22:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	साहिबाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04232	नई दिल्ली	10:00	सहरसा जं.	12:30	वाता. कुर्सीयान, एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान	साहिबाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र जं., हाजीपुर, मुज़फ़्फ़रपुर जं., समस्तीपुर जं., दलसिंह सराय, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.
04080	दिल्ली जं.	19:30	वाराणसी जं.	09:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, लखनऊ और माबेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़
02422	दिल्ली जं.	09:30	सूबेदारगंज	19:40	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल और फतेहपुर
05002	दिल्ली जं.	15:15	गोरखपुर जं.	09:55	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, बुढ़वल, गोंडा, बलरामपुर, तुलसीपुर, बढ़नी, सिद्धार्थनगर और आनंद नगर
04238	दिल्ली जं.	10:00	बरौनी जं.	11:10	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	साहिबाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं. एवं शाहपुर पटोरी
04240	दिल्ली जं.	12:30	दानापुर	08:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	साहिबाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., प्रयाग जं., जंघई जं., भदोही, वाराणसी जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
02246	हज़रत निज़ामुद्दीन	23:55	पटना जं.	16:40	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर
04124	हज़रत निज़ामुद्दीन	15:50	प्रयागराज जं.	09:00	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मथुरा जं., आगरा कैंट., धौलपुर, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, मऊ रानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा जंक्शन, अतर्रा, चित्रकूट धाम, मानिकपुर जंक्शन, डभौरा और शंकरगढ़

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील वस्तुएं जैसे पटाखे, पेट्रोल, मिट्टी का तेल, गैस सिलेंडर आदि लेकर कभी यात्रा न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

खास खबर

रॉयल एनफील्ड की अक्टूबर में बिक्री बढ़कर 1,10,574 इकाई हुई

नई दिल्ली। आयशर मोटर्स लिमिटेड की रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल की कुल बिक्री अक्टूबर 31 प्रतिशत बढ़कर 1,10,574 इकाई हो गई। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पिछले साल 84,435 इकाइयों की बिक्री हुई थी। आयशर मोटर्स ने कहा ?कि पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिक्री 8,688 इकाई रही, जबकि पिछले साल अक्टूबर में यह 3,477 इकाई थी। 350 सीसी तक इंजन क्षमता वाले मॉडल की बिक्री पिछले साल अक्टूबर में 76,075 इकाइयों की तुलना में इस साल 27 प्रतिशत बढ़कर 96,837 इकाई हो गई। कंपनी के अनुसार, इसी तरह 350 सीसी से अधिक इंजन क्षमता वाले मॉडल की बिक्री अक्टूबर 2023 की 8,360 इकाइयों से 64 प्रतिशत बढ़कर पिछले महीने 13,737 इकाई हो गई।

ओला इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण 74 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के वाहनों का पंजीकरण अक्टूबर में सालाना आधार पर 74 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 41,605 इकाई पर पहुंच गया। ओला इलेक्ट्रिक ने बयान में कहा कि कंपनी ने अक्टूबर 2024 में 50,000 से अधिक इकाइयां बेचीं। पंजीकरण संख्याएं वाहन के आंकड़ों के अनुसार हैं। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रवक्ता ने कहा कि हमारे विस्तृत खंड, उपभोक्ता मांग में तेजी और समूचे भारत में हमारे बिक्री नेटवर्क के मजबूत होने से त्योहारी सीजन हमारे लिए वास्तव में मजबूत रहा है। हमने छोटे व मझोले बाजारों में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अपनाने में वृद्धि देखी है और हमें विश्वास है कि यह सकारात्मक वृद्धि आने वाले महीनों में भी जारी रहेगी। कंपनी ने कहा ?कि दिसंबर 2024 तक अपने कंपनी के स्वामित्व वाले सर्विस सेंटर की संख्या दोगुना कर 1,000 करने का अभियान शुरू किया है। इसके अलावा नेटवर्क साझेदार कार्यक्रम के तहत 2025 के अंत तक बिक्री तथा सेवा में 10,000 भागीदारों को शामिल करने की भी योजना है।

प्रवीणा राय ने एमसीएक्स के सीईओ का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। प्रवीणा राय ने प्रमुख जिंस सूचकांक एमसीएक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक का पदभार संभाल लिया है। एमसीएक्स ने बताया कि राय ने 31 अक्टूबर को कार्यभार संभाला और उनका कार्यकाल पांच साल का होगा। उन्होंने पी.एस. रेड्डी की जगह ली है जिनका पांच साल का कार्यकाल मई 2024 में पूरा हो गया था। एमसीएक्स में शामिल होने से पहले राय ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) में सीईओ के रूप में कार्य किया, जहां उन्होंने विपणन, व्यवसाय विकास, उत्पाद प्रबंधन और परिचालन रणनीति का नेतृत्व किया था। एक अनुभवी बैंकिंग पेशेवर राय एचएसबीसी में एशिया प्रशांत के लिए भुगतान के क्षेत्रीय प्रमुख के पद पर कार्यरत रह चुकी हैं। एमसीएक्स भारत का सबसे बड़ा जिंस डेरिवेटिव एक्सचेंज है।

महिंद्रा ने अक्टूबर में 96,648 इकाइयां बेचीं

नई दिल्ली। वाहन विनिमार्ता महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अक्टूबर में 96,648 इकाइयां बेचीं, जो पिछले साल की समान अवधि की 80,679 इकाइयों की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने बयान में कहा कि यूटिलिटी वाहन खंड में उसने घरेलू बाजार में 54,504 इकाइयां बेचीं, जो एक साल पहले की समान अवधि में 43,708 इकाइयों से 25 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बताया कि निर्यात सहित कुल यात्री वाहनों की थोक बिक्री 55,571 इकाई रही। पिछले महीने वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री 28,812 इकाई रही। एमएंडएम के एक अधिकारी ने कहा कि हम अक्टूबर में 54,504 वाहनों की अब तक की सर्वाधिक एसयूवी बिक्री 25 प्रतिशत की वृद्धि और 96,648 वाहनों की अब तक की सर्वाधिक कुल बिक्री यानी 20 प्रतिशत की वृद्धि से काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि महीने की शुरूआत शानदार रही।

एप्पल ने भारत में रिकॉर्ड राजस्व दर्ज किया : सीईओ

- समीक्षाधीन अवधि में बिक्री बढ़कर 94.93 अरब डॉलर हुई, जो एक वर्ष पूर्व 89.49 अरब डॉलर थी
- भारत में ग्राहकों के लिए चार नए स्टोर खोलने को उत्साहित हैं
- आईपैड ने सात अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व अर्जित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल ने भारत में अभी तक का रिकॉर्ड राजस्व दर्ज किया है। जुलाई-सितंबर 2024 में देश में आईपैड की बिक्री में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन अवधि में कुल शुद्ध बिक्री छह प्रतिशत से अधिक बढ़कर 94.93 अरब डॉलर हो गई, जो एक वर्ष पूर्व 89.49 अरब डॉलर थी। एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने कंपनी की आय की जानकारी देते हुए कहा कि हमने अमेरिका, यूरोप तथा शेष एशिया प्रशांत क्षेत्र के साथ-साथ अमेरिका, ब्राजील, मैक्सिको, फ्रांस, ब्रिटेन, कोरिया, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों में सितंबर तिमाही के राजस्व रिकॉर्ड दर्ज किए। हम भारत में जो उत्साह देख रहे हैं, उससे काफी खुश हैं जहां हमने सर्वकालिक रिकॉर्ड राजस्व दर्ज किया है। कुक ने कहा कि एप्पल ने इस तिमाही में देश में दो नए स्टोर भी खोले। एक स्टोर मुंबई में और दूसरा दिल्ली में खोला गया। उन्होंने कहा कि हम भारत में ग्राहकों के लिए चार नए स्टोर खोलने को उत्साहित हैं। एप्पल ने भारत में पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और मुंबई में चार और स्टोर खोलने की योजना की अक्टूबर की शुरूआत में घोषणा की थी। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2024 की तिमाही में भारत में मूल्य के लिहाज से एप्पल आईफोन की बिक्री में हिस्सेदारी 21.6 प्रतिशत रही जो सैमसंग से थोड़ी ही कम है। उत्पादों की बिक्री से एप्पल का राजस्व जुलाई-सितंबर 2023 तिमाही में 67.18 अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में इस वर्ष समान अवधि में 4.12 प्रतिशत बढ़कर 69.95 अरब डॉलर हो गया। आईफोन की बिक्री सालाना आधार पर 43.8 अरब डॉलर से करीब 5.5 प्रतिशत बढ़कर 46.22 अरब डॉलर हो गई। एप्पल के एक अधिकारी ने कहा कि आईपैड ने सात अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले साल की तुलना में आठ प्रतिशत अधिक है। विकसित बाजारों में वृद्धि के अलावा हमने कई उभरते बाजारों में भी मजबूत प्रदर्शन देखा जिसमें मैक्सिको, ब्राजील, पश्चिम एशिया, भारत तथा दक्षिण एशिया में दोहरे अंकों की वृद्धि हुई।

क्विक कॉमर्स बिजनेस में उतरेगी रिलायंस

एजेंसी

मुंबई। एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी अब रिटेल कारोबार में बदलाव के लिए वर्तमान की लोकप्रिय किराना स्टार्टअप्स की रणनीति अपना रहे हैं। पहले जहां सामान को डिलीवरी में एक या दो दिन लगते थे, अब रिलायंस का लक्ष्य 10 से 30 मिनट में सामान को आपके घर पहुंचाना है। क्विक कॉमर्स ने भारत में खरीदारी के तरीके को बदल दिया है, जहां जोमैटो, स्विगी और जेप्टो जैसी कंपनियां 10 मिनट के भीतर डिलीवरी कर रही हैं, यहां तक कि दुनिया की सबसे बड़ी चैन अमेजन को भी पीछे छोड़ रही हैं। हालांकि ये कंपनियां घाटे में हैं, लेकिन इन्होंने छोटे दुकानों और सुपरमार्केट्स की बिक्री को प्रभावित किया है, क्योंकि लोग दूध, चॉकलेट से लेकर आईफोन तक की जल्द से जल्द डिलेवरी को प्राथमिकता दे रहे हैं। क्विक कॉमर्स का क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है, इसकारण अंबानी की रिलायंस इस क्विक कॉमर्स को नजरअंदाज नहीं कर सकती। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि रिलायंस को इस बिजनेस में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जैसे छोटे गोदामों की कमी और सुपरमार्केट्स से बिजनेस को चलाने की दिक्कतें। जानकार के अनुसार, क्विक कॉमर्स की बिक्री इस साल 6 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है, जबकि 2020 में यह केवल 100 मिलियन डॉलर थी। रिलायंस अपनी 1,150 शहरों में फैली 3,000 सुपरमार्केट्स की चेन का इस्तेमाल करके इंस्टेंट डिलीवरी की योजना बना रही है। इसके लिए सुपरमार्केट्स में विशेष कियोस्क बनाए जाएंगे, जहां से छोटे दल काम करने वाले है। रिलायंस रिटेल का मूल्यांकन पिछले साल 100 बिलियन डालर किया गया था, जिसमें केकेआर जैसे निवेशक शामिल हैं। रिलायंस भारत के 600 बिलियन डालर के किराना बाजार में सबसे बड़ा फिजिकल रिटेलर है।

जीएसटी संग्रह 9 फीसदी बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपये के पार

- घरेलू लेन-देन से अधिक राजस्व मिलने की वजह से जीएसटी राजस्व संग्रह बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह सालाना आधार पर 9 फीसदी बढ़कर अक्टूबर में 1.87 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। पिछले साल समान अवधि में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.72 लाख करोड़ रुपये रहा था। घरेलू लेन-देन से अधिक राजस्व मिलने की वजह से जीएसटी राजस्व संग्रह बढ़ा है। जीएसटी महानिदेशालय ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर में जीएसटी राजस्व संग्रह 1,87,346 करोड़ रुपये (1.87 लाख करोड़ रुपये) पर पहुंच गया। पिछले साल की समान अवधि में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.72 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह जीएसटी राजस्व संग्रह में 8.9 फीसदी का इजाफा हुआ है। जीएसटी राजस्व संग्रह में ये वृद्धि मुख्य रूप से घरेलू लेन-देन से होने वाली आय में बढ़ोतरी के कारण हुई है। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर के जीएसटी राजस्व संग्रह 1,87,346 करोड़ रुपये में केंद्रीय जीएसटी का संग्रह 33,821 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 41,864 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी 99,111 करोड़ रुपये और उपकर 12,550 करोड़ रुपये रहा। घरेलू लेन-देन से जीएसटी राजस्व संग्रह 10.6 फीसदी बढ़कर 1.42 लाख करोड़ रुपये हो गया। आयात पर कर अक्टूबर, 2024 के दौरान करीब चार फीसदी बढ़कर 45,096 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान 19,306 करोड़ रुपये का रिफंड भी दिया गया है, जो पिछले साल के मुकाबले 18.2 फीसदी अधिक है। आंकड़ों के अनुसार रिफंड को शामिल करने के बाद शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 8 फीसदी बढ़कर 1.68 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है।

दो महीने बाद बढ़ी एटीएफ की कीमत हवाई किराये में आ सकती है तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले 2 महीने से लगातार कीमत में कटौती करने के बाद घरेलू ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में बढ़ोतरी कर दी है। एटीएफ की कीमत में बढ़ोतरी होने के बाद दिल्ली में इसकी कीमत 87,597.22 रुपये प्रति किलो लीटर से 2,941.50 रुपये बढ़ कर 90,538.72 रुपये प्रति किलो लीटर हो गई है। एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत हर महीने की शुरूआत में फिक्स की जाती है। कीमत तय करने के लिए एटीएफ के वेरिएबल इंटरनेशनल रेट का एवरेज निकाला जाता है और फिर डॉलर के सापेक्ष उसकी औसत लागत तय की जाती है। इस औसत लागत के आधार पर ही घरेलू ऑयल मार्केटिंग कंपनियां भारत में एविएशन सेक्टर के लिए एटीएफ की कीमत का निर्धारण करती हैं। आज एटीएफ की कीमत में हुई बढ़ोतरी के बाद मुंबई में इसकी कीमत 81,866.13 रुपये से बढ़ कर 84,642.91 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इसी तरह कोलकाता में एटीएफ की कीमत 90,610.90 से बढ़ कर 93,392.79 रुपये प्रति किलो लीटर और चेन्नई में 90,964.43 से बढ़कर 93,957.10 रुपये प्रति किलोमीटर हो गई है।

यूपीआई के नियमों में बड़ा बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली। नई महीने की शुरूआत हो गई है। 1 नवंबर से गैस से लेकर पेट्रोल-डीजल के भाव में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव में करीब 62 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में अब यूपीआई के नियमों में भी बदलाव देखने को मिला है। 1 नवंबर शुक्रवार से यूपीआई लाइट प्लेटफॉर्म में दो बड़े बदलाव हुए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में यूपीआई लाइफ की ट्रांजेक्शन लिमिट भी बढ़ाई है। आज से यूपीआई लाइट यूजर्स ज्यादा पेमेंट कर पाएंगे। वहीं अगर आपका यूपीआई लाइट बैलेंस एक तय सीमा से नीचे चला जाएगा, तो नए ऑटो टॉप-अप फीचर से यूपीआई लाइट में फिर से पैसे ऐड हो जाएंगे। यानी कि अगर आपका यूपीआई लाइट बैलेंस एक तय सीमा से नीचे चला जाएगा, तो नए ऑटो टॉप-अप फीचर से यूपीआई लाइट में फिर से पैसे जुड़ जाएंगे। इससे मैनुअल टॉप-अप की जरूरत खत्म हो जाएगी, जिससे यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस लाइट की मदद से बिना रूके पेमेंट किया जा सकेगा। बता दें कि यूपीआई लाइट एक वॉलेट है जो यूजर्स को बिना यूपीआई पिन का इस्तेमाल किए छोटे-मोटे ट्रांजेक्शन करने की सुविधा देता है। फिलहाल इससे यूजर्स को पेमेंट करना जारी रखने के लिए अपने बैंक अकाउंट से अपने वॉलेट बैलेंस को मैन्युअली रिचार्ज करना पड़ता है।

वी अपने सब्सक्राइबर्स के लिए लेकर आए हैं अश्योर्ड रिवॉर्ड्स

रांची। जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने, वी ऐप पर रीचार्ज करने वाले अपने उपभोक्ताओं के लिए अश्योर्ड रिवॉर्ड्स की पेशकश के साथ दीपावली के जश्न को और भी खास बना दिया है। इस फेस्टिव बोनांजा के तहत वी ऐप पर रीचार्ज करने वाले उपभोक्ता स्पिन द व्हील के लिए क्वालिफाय होंगे और रु 3499 तक के अश्योर्ड रिवॉर्ड्स जीत सकेंगे। वी उपभोक्ताओं के लिए दीपावली के रिवॉर्ड्स में शामिल हैं 1 जीबी/ 2 जीबी/ 5 जीबी/ 30 जीबी एक्स्ट्रा डेटा, लोकप्रिय ऑनलाईन पोर्टल्स से डिस्काउन्ट कूपन और रु 3499 के सालाना रीचार्ज पैक। उपभोक्ता रीचार्ज करने के बाद 48 घण्टे में एक बार व्हील स्पिन कर, आसान से सवालों के जवाब देकर रिवॉर्ड्स जीत सकते हैं।

स्विगी लिमिटेड का आईपीओ 06 को खुलेगा

एजेंसी

मुंबई। स्विगी लिमिटेड बुधवार, 06 नवंबर, 2024 को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम खोलने का प्रस्ताव करती है। बोली/ऑफर बंद होने की तिथि शुक्रवार, 08 नवंबर, 2024 होगी। एंकर निवेशक बोली तिथि बोली/ऑफर खुलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले अर्थात मंगलवार, 05 नवंबर, 2024 है। ऑफर का प्राइस बैंड 371 प्रति इक्विटी शेयर से लेकर 390 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 38 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 38 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियाँ लगाई जा सकती हैं। इस ऑफर में 4,499 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू ('ताजा इश्यू') और विक्रय शेयरधारकों द्वारा 175,087,863 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव ('बिक्री के लिए प्रस्ताव') शामिल है। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। यह प्रस्ताव एससीआरआर के नियम 19(2)(बी) के साथ सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 31 के अनुसार है। यह ऑफर सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 6(2) के अनुपालन में बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें शुद्ध ऑफर का कम से कम 75% योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी और ऐसा हिस्सा क्यूआईबी हिस्सा) को आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध होगा, बशर्ते कि हमारी कंपनी और विक्रय शेयरधारक, बीआरएलएम के परामर्श से, सेबी आईसीडीआर विनियमनों के अनुसार विवेकाधीन आधार पर एंकर निवेशकों को क्यूआईबी हिस्से का 60% तक आवंटित कर सकते हैं (एंकर निवेशक हिस्सा), जिसमें से एक तिहाई घरेलू म्यूचुअल फंड के लिए आरक्षित होगा।

कलाकारों नें किया भाई दूज उत्सव की यादों को साझा

एजेंसी

मुंबई। भाई-बहनों के बीच प्यार और बंधन का प्रतीक भाई दूज एक ऐसा त्यौहार है, जो भाई-बहनों के बीच के रिश्ते को सम्मान देने और सार्थक तरीकों से स्नेह व्यक्त करने का समय है। इस साल सोनी सब के प्रिय कलाकार भाई दूज से जुड़ी अपनी निजी कहानियाँ और अनमोल यादें साझा कर रहे हैं। श्रीमद् रामायण की प्राची बंसल ने कहा, मेरे दो भाई हैं, एक मुझसे बड़ा और एक छोटा। बचपन में हम हर साल भाई दूज साथ में मनाते थे, लेकिन अब हमें नियमित रूप से त्यौहार मनाने का मौका नहीं मिलता। हर कोई अपनी ज़िंदगी में व्यस्त है। हालाँकि, जब भी मौका मिलता है, तो मेरा बड़ा भाई साथ में त्यौहार मनाने के लिए मुझसे मिलने आता है। मैं अपने छोटे भाई से तोहफे नहीं लेती, लेकिन मेरा बड़ा भाई हमेशा मेरे लिए कुछ खास लाता है। पुष्पा इम्पॉसिबल की इंद्राक्षी कांजीलाल ने कहा, मेरा कोई सगा भाई नहीं है, लेकिन मेरे चचेरे भाई मेरे उतने ही करीब हैं जितने कोई भाई-बहन हो सकते हैं। बड़े होते हुए वे हमेशा मेरे साथ रहे और मुझे अपने जीवन में कभी भाई की कमी महसूस नहीं हुई। वागले की दुनिया की चिन्मयी साल्वी ने कहा, भाई दूज ने हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह बनाई है, क्योंकि यह न केवल मेरे भाई के साथ बल्कि मेरे सात चचेरे भाइयों के साथ भी मनाया जाने वाला उत्सव है। हालाँकि, कुछ लोग अब विदेश में रहते हैं, लेकिन हम एक-दूसरे के करीब रहना पसंद करते हैं, खास तौर पर त्योहारों के दौरान। अपने रिश्ते को मजबूत रखने के लिए वीडियो कॉल के जरिए एक-दूसरे से जुड़ते हैं। बादल पे पाँव है की मानसी शर्मा ने कहा, भाई दूज हम पंजाबियों के लिए एक खास उत्सव है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 62 रुपये तक महंगा, नई दरें लागू

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने महंगाई का जोरदार झटका दिया है। ओएमसी ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 62 रुपये प्रति सिलेंडर का इजाफा किया है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें शुक्रवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार देश की राजधानी नई दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस की कीमत 62 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़कर 1802 रुपये हो गई है, जो पहले 1740 रुपये में मिल रहा था। कोलकाता में इसके दाम 61 रुपये बढ़ कर 1911.50 रुपये हो गए हैं।

अनिल अंबानी को करना होगा 154.5 करोड़ का भुगतान, सेबी ने जारी किया नोटिस

- 15 दिनों के अंदर जमा करनी होगी राशि, नहीं तो संपत्तियां व बैंक खाते होंगे कुर्क

एजेंसी

नई दिल्ली। अनिल अंबानी जो अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत दिखा रहे हैं, एक बार फिर विवादों में घिर गए। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने उन्हें और उनके स्वामित्व वाली कंपनियों को 154.5 करोड़ रुपए जमा करने का नोटिस जारी किया है। यह निर्देश रिलायंस होम फाइनेंस की प्रवर्तक कंपनी सहित अन्य छह इकाइयों को धन की हेराफेरी के आरोप में जारी किया है। सेबी ने नोटिस में साफ लिखा है कि जिन कंपनियों को यह नोटिस भेजा गया है, उनमें क्रेस्ट लॉजिस्टिक्स एंड इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड (अब सीएलई प्राइवेट लिमिटेड), रिलायंस यूनिकॉर्न एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस एक्सचेंज नेक्स्ट लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस बिजनेस ब्रॉडकास्ट न्यूज होल्डिंग्स लिमिटेड और रिलायंस क्लीनजेन लिमिटेड शामिल हैं। प्रत्येक इकाई को 25.75 करोड़ रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया है, जिसमें ब्याज और वसूली लागत भी शामिल हैं।

भारत में उन्नत एम्बुलेंस बेड़ा पेश करने के लिए रणनीतिक पहल की घोषणा

एजेंसी

मुंबई। सुमीत ग्रुप एंटरप्राइजेज और स्पेन स्थित एसएसजी मैट्रिक्स के बीच एक संयुक्त उद्यम सुमीतएसएसजी, ने आज भारत में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को बदलने की अपनी योजना की घोषणा की। महाराष्ट्र में शुरू करते हुए, लगभग 1600 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ पूरे राज्य में नई महाराष्ट्र आपातकालीन चिकित्सा सेवा (एमईएमएस) 108 एम्बुलेंस परियोजना को लागू किया जाएगा। सुमीतएसएसजी का लक्ष्य आपातकालीन स्थितियों के मुश्किल समय में इस्तेमाल के लिए विशेष चिकित्सा उपकरणों के साथ एडवांस्ड एम्बुलेंस बेड़ा पेश करना है। ये एडवांस्ड एम्बुलेंस मोबाइल डेटा टर्मिनल (एमडीटी), टैबलेट पीसी, आरएफआईडी, जीपीएस, कॉलर लोकेशन ट्रैकिंग, सीसीटीवी और त्रिआज सिस्टम जैसी तकनीकों

से लैस होंगी। इसके अतिरिक्त, इनमें इनबिल्ट कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट (सीआरएम), कंप्यूटर-एडेड डिस्पैच (सीएडी), वाहन ट्रैकिंग और प्रबंधन प्रणाली (वीटीएमएस), और रोगी आगमन सूचना प्रणाली भी होगी। बेड़े में एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस (एएलएस), बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस (बीएलएस), नवजात एम्बुलेंस, फर्स्ट रिस्पॉन्डर बाइक, समुद्री और नदी नाव एम्बुलेंस शामिल हैं। एमईएमएस 108 के लिए आगे के एकीकरण में मेडिकल एप्लिकेशन ड्रोन और हेलीकॉप्टर आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं शामिल होंगी। यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज पेरेज कस्तीयोन के बीच चल रही द्विपक्षीय बैठकों की पृष्ठभूमि में की गई है, जो अपनी पहली भारत यात्रा पर हैं। स्पेन-भारत व्यापार शिखर सम्मेलन के लिए मुंबई की

अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री सांचेज ने व्यक्तिगत रूप से एमईएमएस 108 के लिए लॉन्च किए जाने वाले नए बेड़े का निरीक्षण और अनावरण किया। उन्होंने भारत में उन्नत स्वास्थ्य सेवा पहलों के महत्व के बारे में संक्षेप में बात की और इस पहल को आगे बढ़ाने में उनके प्रयासों के लिए सुमीतएसएसजी टीम को बधाई दी। सुमीतएसएसजी टीम के साथ अपनी बातचीत में, उन्होंने भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में इस उन्नयन की प्रशंसा की और देश में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे के समग्र सुधार के बारे में प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी चर्चाओं का उल्लेख किया। लॉन्च के मौके पर सुमीत ग्रुप एंटरप्राइजेज, इंडिया के वाइस चेयरमैन, शिखर सालुंके ने कहा, मैं भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं कि उन्होंने स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज पेरेज कस्तीयोन और उनके व्यापार प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा पर मेजबानी की। हमने स्पेन के प्रधानमंत्री को अपने नवीनतम बेड़े और अभिनव सेवा मॉडल का गर्व से प्रदर्शन किया, जिसे विशेष रूप से यूरोप के सबसे बड़े एम्बुलेंस सेवा ऑपरेटरों में से एक एसएसजी के साथ साझेदारी में भारतीय बाजार के लिए विकसित किया गया है।

अमेरिका ने 19 भारतीय कंपनियों व दो नागरिकों पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका ने भारत की 19 कंपनियों और दो नागरिकों पर प्रतिबंध लगाया है। अमेरिका के अनुसार, इन कंपनियों ने रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में मदद की थी। यह कदम कई देशों की करीब 400 कंपनियों और व्यक्तियों पर लगाए गए प्रतिबंधों के हिस्से के रूप में उठाया गया है। इन प्रतिबंधों में भारत के अलावा चीन, मलेशिया, थाईलैंड, तुर्की और यूएई की कंपनियां और नागरिक भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार दिल्ली स्थित कंपनी एसेंड एविएशन के निदेशक विवेक कुमार मिश्रा और सुधीर कुमार पर प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिका के विदेश विभाग ने एसेंड एविएशन इंडिया, मास्क ट्रेन, टीएसएमडी ग्लोबल और फयूट्रेवो नामक चार भारतीय कंपनियों पर लगाए गए आरोपों की जानकारी दी है। एसेंड ए?विएशन पर आरोप है कि इसने मार्च 2023 से मार्च 2024 के बीच रूस की कंपनियों को 700 से अधिक शिपमेंट भेजे थे, जिनकी कुल कीमत 200,000 डॉलर से अधिक थी। इनमें कॉमन हाई प्रायोरिटी लिस्ट (सीएचपीएल) के आइटम शामिल थे। इसी तरह मास्क ट्रेन पर आरोप है कि इसने जून 2023 से अप्रैल 2024 के बीच रूस को 300,000 डॉलर से अधिक मूल्य के सीएचपीएल आइटम सप्लाई किए थे। टीएसएसएमडी ग्लोबल पर रूस को 430,000 मूल्य के सीएचपीएल आइटम सप्लाई करने का आरोप लगाया गया है, जबकि फयूट्रेवो पर आरोप है कि इसने रूस को 1.4 मिलियन मूल्य के सीएचपीएल आइटम भेजे हैं।

खास खबर

बेन स्टोक्स के घर में डकैती

लंदन । इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट में खुलासा किया कि जब वह पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज खेल रहे थे, तब उनके घर में डकैती हुई। स्टोक्स ने एक्स पर बताया कि 17 अक्टूबर की शाम को कई नकाबपोश लोगों ने उनके घर में चोरी की और आभूषण, अन्य कीमती सामान और कई व्यक्तिगत वस्तुएं चुरा लीं। उन्होंने लिखा कि इनमें से कई वस्तुएं उनके और उनके परिवार के लिए भावनात्मक मूल्य रखती हैं और वे अपूरणीय हैं। स्टोक्स ने लोगों से मदद की अपील की है ताकि इस कृत्य में शामिल लोगों को ढूंढा जा सके। एक अन्य पोस्ट में, स्टोक्स ने चोरी की गई कुछ वस्तुओं की तस्वीरें साझा कीं, जिनमें से एक ओबीई (ब्रिटिश साम्राज्य के सबसे उत्कृष्ट आदेश का अधिकारी) पदक भी शामिल है, जो उन्हें 2020 में उनकी क्रिकेट उपलब्धियों के लिए मिला था। उन्होंने यह भी कहा, मैं चोरी की गई कुछ वस्तुओं की तस्वीरें जारी कर रहा हूं - जिनकी मुझे उम्मीद है कि आसानी से पहचानी जा सकेंगी - इस उम्मीद में कि हम उन लोगों को ढूंढ सकें जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। स्टोक्स ने पुलिस सेवा का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने उनके परिवार को समर्थन देने के लिए उत्कृष्ट काम किया और उन लोगों को ढूंढने में मेहनत कर रहे हैं।

डैनी व्याट आरसीबी में शामिल

नई दिल्ली । इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज डैनी व्याट आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रतिनिधित्व करेंगी। हाल ही में यूपी वारियर्स से आरसीबी के लिए सफल ट्रेड के बाद उन्हें टीम में शामिल किया गया है। इस ट्रेड में डैनी को 30 लाख रुपये की रकम मिलेगी। उनके आने से आरसीबी को एक अनुभवी और आक्रामक बल्लेबाज का सहारा मिलेगा, जो टीम को मजबूत बनाएगा। आरसीबी ने इस बारे में कहा कि डैनी व्याट एक असाधारण खिलाड़ी हैं, जिनका कौशल और प्रतिस्पर्धी भावना हमारी टीम के दृष्टिकोण के साथ मेल खाता है। हम टीम में उनकी ऊर्जा का स्वागत करते हैं और इस सीजन में उनके खेल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।
डैनी व्याट के पास अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में काफी लंबा अनुभव है। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 164 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जो इस फॉर्मेट में किसी भी अंग्रेजी खिलाड़ी के लिए सबसे ज्यादा है। इस सूची में हरमनप्रीत कौर और सुजी बेट्स उनसे आगे हैं। टी20 में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी की शैली और बेहतरीन स्ट्राइक रेट से वह किसी भी टीम के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती हैं। हाल ही में इंग्लैंड के लिए उन्होंने 50.33 की औसत और 124.79 की स्ट्राइक रेट से सबसे अधिक 151 रन बनाए थे, जो उनकी फॉर्म और क्षमता को दशार्ता है।

आईसीसी के उपाध्यक्ष बने रहेंगे इमरान ख्वाजा

नई दिल्ली। इमरान ख्वाजा को एक और कार्यकाल के लिए फिर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनका नया कार्यकाल 1 दिसंबर, 2024 से शुरू होगा, जिस दिन बीसीसीआई सचिव जय शाह आईसीसी अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल शुरू करेंगे। ख्वाजा, जो पहली बार 2008 में आईसीसी बोर्ड के लिए चुने गए थे, 2017 से उपाध्यक्ष हैं। उस दौरान, उन्होंने अंतरिम अध्यक्ष का पद भी संभाला था, जुलाई 2020 में शशांक मनोहर का कार्यकाल समाप्त होने के बाद वे इस पद पर आए थे। उस वर्ष बाद में, ख्वाजा ने ग्रेग बार्कले के खिलाफ शीर्ष पद के लिए नेतृत्व चुनाव लड़ा, जिसमें दो राउंड की वोटिंग के बाद बार्कले ने जीत हासिल की थी। इस वर्ष जुलाई में, कोलंबो में आईसीसी की वार्षिक आम बैठक में, ख्वाजा को आईसीसी बोर्ड में बैठने वाले तीन एसोसिएट सदस्य निदेशकों में से एक के रूप में फिर से चुना गया।इस साल अगस्त में शाह को बार्कले की जगह निर्विरोध अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, उन्होंने अपने तीन कार्यकालों में से दो कार्यकाल पूरे किए।

आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप

चीन ने कजाकिस्तान को 5-0 से हराया

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने गुरुवार को बीजिंग के शोगांग पार्क में आयोजित प्रथम अंतरराष्ट्रीय आइस हॉकी महासंघ (आईआईएचएफ) आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप के पहले मैच में कजाखस्तान को 5-0 से हराया। चीन की क्यू यू ने घरेलू मैदान पर मैच शुरू होने के 56 सेकंड बाद ही गोल कर चीन को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद उनकी टीम की साथी झांग बियांग और फेंग शिन ने पहले दौर में दो और गोल करके अपनी टीम को 3-0 से आगे कर दिया। चीन ने दूसरे और तीसरे दौर में बढ़त को और बढ़ाया व अंत में 5-0 की जीत हासिल की। चीन की

कप्तान यू बाईवेई ने मैच के बाद कहा, ₹हमारी टीम के लिए यह अच्छी शुरूआत थी। युवा खिलाड़ियों ने इस उच्च स्तरीय आयोजन में अनुभव और आत्मविश्वास हासिल करने के लिए गोल और असिस्ट किए। हम जापान और अन्य टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हैं, जो हमें अपनी क्षमता का दोहन करने में मदद कर सकती है। पूरी टीम अंत तक लड़ेगी। दूसरे गेम में जापान ने दक्षिण कोरिया को 12-0 से रौंदा। जापान ने छह मिनट में दो गोल करके स्कोरलाइन की शुरूआत की और अकेले दूसरे पीरियड में सात गोल करके जीत सुनिश्चित की। भाग लेने वाली सभी चार टीमों में, विश्व की 7वें नंबर की टीम जापान टूर्नामेंट में सर्वोच्च स्थान पर है, उसके बाद चीन 12वें स्थान पर है।
इवेंट का दूसरा राउंड शनिवार को होगा, जिसमें चीन का सामना दक्षिण कोरिया से होगा, जबकि जापान का सामना कजाकिस्तान से होगा। अंतिम राउंड रविवार को होगा।आइस हॉकी स्थल को भी लगभग एक महीने पहले शूगांग पार्क में विश्व टेबल टेनिस चाइना स्मैश की मेजबानी के लिए बदल दिया गया था, जहाँ प्रतिष्ठित बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक स्थल बिग एयर शूगांग स्थित है।

मुंबई इंडियंस के कप्तान बने रहेंगे हार्दिक पांड्या

एजेंसी

नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2025 सीजन में मुंबई इंडियंस के कप्तान बने रहेंगे। हार्दिक ने आईपीएल 2024 में रोहित शर्मा की जगह यह भूमिका निभाई, जिन्होंने टीम को पांच खिताब दिलाए। हार्दिक ने अपने रिटेंशन के बाद कहा, ₹मैंने अपने जीवन में जो कुछ भी हासिल किया है, वह मुंबई इंडियंस का हिस्सा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मुझे बहुत सारा प्यार मिला है, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मेरी यात्रा यहीं से शुरू हुई और आप जानते हैं कि मैंने अपने जीवन में जो कुछ भी हासिल किया है, वह मुंबई इंडियंस का हिस्सा है। रोहित की कप्तानी में, मुंबई ने पांच आईपीएल खिताब जीते, जिससे

वह चेन्नई सुपर किंग्स के एमएस धोनी के साथ टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे सफल कप्तान बन गए। गुजरात टाइटन्स के कप्तान के रूप में हार्दिक के प्रभावशाली कार्यकाल के बाद, जहाँ उन्होंने टीम को लगातार सीजन में चैंपियनशिप खिताब और उपविजेता दोनों तक पहुँचाया, मुंबई ने उन्हें वापस अपनी टीम में जोड़ा और उन्हें टीम का कप्तान नियुक्त किया। रोहित ने आईपीएल और चैंपियंस लीग टी20 में कुल 163 मैचों में मुंबई इंडियंस का नेतृत्व किया।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

नॉर्थ साउंड। इविन लुईस के शानदार प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को तीन एकदिवसीय क्रिकेट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में 8 विकेट से हरा दिया। इंग्लैंड की टीम इस मैच में केवल 209 रनों ही सिमट गयी। वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती ने चार जबकि अल्जारी जोसेफ, जायडेन सील्स और मैथ्यू फोर्डे ने 2-2 विकेट लिए। इसके बाद वेस्टइंडीज को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के तहत ही 35 ओवर में जीत के लिए 157 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने आसानी से 9 ओवर में ही हासिल कर लिया। लुईस ने इस मैच में अर्धशतक

लगाया। बारिश के समय वेस्टइंडीज ने 81 रन बनाये। उस समय लुईस 48 गेंद पर 51 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद जब खेल वापस शुरू हुआ तो लुईस ने जमकर बल्लेबाजी शुर की। वहीं अगली 21 गेंदों पर 43 रन बनाकर उन्होंने वेस्टइंडीज को जीत दिला दी। वह छह रनों से शतक पूरा नहीं कर पाये। लुईस ने 69 गेंदों पर 5 चौके और 8 छक्कों की सहायता से 94 रन बनाये। लुईस के अलावा वेस्टइंडीज की ओर से ब्रैंडन किंग ने 30 रन बनाए। पहले विकेट के लिए किंग और लुईस के बीच 118 रनों की साझेदारी हुई। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद और कप्तान लियाम लिविंगस्टोन ने एक-एक विकेट लिया।वहीं इससे पहले इंग्लैंड की ओर से सभी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरूआत की पर कोई भी कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाया। शीर्ष-6 में शामिल सभी बल्लेबाज 15 रनों से आगे नहीं बढ़ पाये। केवल कप्तान लियाम लिविंगस्टोन ही 49 गेंद पर 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 48 रन बना पाये।

सरफराज के बचाव में उतरे रोहित

एजेंसी

मुंबई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच यहां हुए तीसरे टेस्ट के पहले दिन सरफराफ खान के बचाव में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा अंपायर से ही भिड़ गये। तीसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरू की। इस दौरान कीवी बल्लेबजा डेरिल मिचेल ने सरफराज खान की अंपायर से शिकायत कर दी। मिचेल की शिकायत के बाद अंपायर सरफराज से बात करने गए पर इसी बीच रोहित भी बीच में आ गये।
ये पूरा मामला यह था कि मिचेल बल्लेबाजी के लिए उतरे तो सरफराज शॉट लेग पर फील्डिंग

कर रहे थे। इस दौरान सरफराज गेंदबाजों का हौसला बढ़ाने के लिए उन्हें कुछ कह रहे थे इसी को लेकर मिचेल ने आपत्ति जतायी और अंपायर से शिकायत कर दी। उन्होंने अंपायर से कहा कि सरफराज के कारण वह बल्लेबाजी पर ध्यान नहीं दे पा रहे। इसके बाद अंपायर ने सरफराज को बुलाया पर कप्तान रोहित बीच में आ गये। उन्होंन मिचेल को भी काफी कुछ कह दिया। बहस के कारण मैच कुछ समय रुका रहा पर बाद में शांत होने पर शुरू हो गया।

आरटीएम के जरिये अपने पुराने खिलाड़ी को खरीद सकेंगी टीमें

एजेंसी

मुम्बई । इस बार आईपीएल में नियमों में हुए बदलावा के कारण सभी टीमों को राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्प भी मिला हुआ है। ऐसे में सवाल ये उठता है कि आरटीएम क्या है और कैसे काम करता है। नये नियमों के अनुसार एक फ्रेंचाइजी अधिकतम छह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है, और ऐसे में या तो रिटेंशन चरण में या मेगा नीलामी के दौरान आरटीएम कार्ड के जरिये वे अपने साथ पहले से रहे खिलाड़ियों को शामिल कर सकेंगी। इसमें अधिकतम पांच खिलाड़ी कैप्ड हो सकते हैं जबकि अधिकतम दो खिलाड़ी अनकैप्ड हो सकते हैं। इससे पहले आरटीएम नियम पहली बार 2017 में लागू किया गया था पर साल 2022 के मेगा नीलामी में इसे हटा दिया गया था। अब इसे फिर से लागू किया गया है। इस नियम से फ्रेंचाइजी उस खिलाड़ी को वापस खरीद सकती है जो पहले उसके साथ था। रिलीज होने के बाद जब कोई खिलाड़ी नीलामी में जाता है, तो कई टीमें उस पर बोली लगाती हैं। बोली लगने के बाद रिलीज करने वाली टीम से पूछा जाता है कि क्या वो इस खिलाड़ी के लिए आरटीएम का इस्तेमाल करना चाहती हैं?
ऐसे में पिछले सत्र में किसी टीम का खिलाड़ी अब नीलामी में फिर से बिक रहा है, तो उस टीम को आरटीएम कार्ड मिलता है। इसका मतलब है कि वो खिलाड़ी को वापस खरीद सकती है। ऐसे में पुरानी टीम आरटीएम का इस्तेमाल कर उस खिलाड़ी पर नीलामी में लगाई गई आखिरी बोली के जितने पैसे देकर उसे ले सकती हैं।

फर्मिन लोपेज का अनुबंध 2029 तक बढ़ा

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने गुरुवार को 21 वर्षीय मिडफील्डर फर्मिन लोपेज के साथ जून 2029 के अंत तक एक नए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। नए सौदे में लोपेज के रिलीज क्लॉज को बढ़ाकर 500 मिलियन यूरो कर दिया गया है, जो अन्य क्लबों के लिए लगभग असंभव है। लोपेज 2023 की गर्मियों में बार्सिलोना में तब छाए जब उन्होंने क्लब के समर टूर में रियल मैड्रिड के खिलाफ गोल किया और उन्होंने 31 लीग मैचों के साथ सीजन का अंत किया, जिसमें आठ गोलों ने दिखाया कि वे प्रतिद्वंद्वी पेनल्टी क्षेत्रों में लगभग बिना किसी परेशानी के पहुँच सकते हैं। उनके फॉर्म ने उन्हें यूरोपीय चैंपियनशिप के लिए स्पेन की राष्ट्रीय टीम में जगह दिलाई और हालाँकि उन्होंने स्पेन के खिताब जीतने के दौरान शायद ही कोई मैच खेला हो।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में सलीमा की कप्तानी में उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। अगले माह 11 से 20 नवंबर तक बिहार के राजगीर हॉकी स्टेडियम में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में भारतीय टीम सलीमा टेटे की कप्तानी में उतरेगी। वहीं नवनीत कौर टीम की उपकप्तान रहेंगी। भारतीय महिला टीम ने पिछले साल रांची में हुए आयोजन में खिताब जीता था। ऐसे में अब भारतीय टीम का लक्ष्य ये खिताब बरकरार रखना रहेगा। इस टूर्नामेंट में भारत को चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड सहित पांच अन्य देशों से कड़ी टक्कर मिलेगी। भारतीय टीम का पहला मुकाबला 11नवंबर को मलेशिया से होगा। टीम की कप्तान सलीमा ने कहा, ह्यएक और बड़े

टूर्नामेंट में टीम का नेतृत्व करना एक शानदार एहसास है। हम गत चैम्पियन के रूप में टूर्नामेंट में भाग लेते हुए जीत का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, ह्यहमने कड़ी ट्रेनिंग की है। हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के साथ एक मजबूत टीम है। हमारा लक्ष्य अपने खिताब की रक्षा करना और उसी जुनून और संकल्प के साथ खेलना है जो हमने पिछले साल दिखाया था। टीम में गोलकीपर की भूमिका अनुभवी सविता और उभरती प्रतिभा बिचू देवी खारीबाम साझा करेंगी। रक्षापंक्ति की जिम्मेदारी उदिता, ज्योति, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम और वैष्णवी विट्ठल फाल्के के पास होगी। मध्यपंक्ति में टेटे का साथ नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, और लालरेम्सियामी टीम को मजबूती प्रदान करेंगी। वहीं अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, संगीता कुमारी, दीपिका, प्रीति दुबे और ब्यूटी डुंगडुंग रहेंगी। सुशीला और ब्यूटी चोट से उबरने के बाद टीम से वापसी कर रही है। वहीं उपकप्तान नवनीत ने कहा, ह्यहमें अपनी तैयारी और एक दूसरे के साथ पर भरोसा है। अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलना उत्साहजनक है और हम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार हैं।

ऋषभ को इसलिए रिटेन नहीं कर पाये : पार्थ

एजेंसी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के अपनी टीम के कप्तान ऋषभ पंत को रिटने नहीं किये जाने पर सभी ने हैरानी जताय है। वहीं इसी को लेकर अब कैपिटल्स के सहमालिक पार्थ जिंदल का बयान आया है। इसमें पार्थ ने ऋषभ को रिटेन नहीं करने के कारण बताये हैं। फ्रेंचाइजी ने चार खिलाड़ियों अक्षर पटेल (16.5 करोड़ रुपये), अभिषेक पोरेल (4 करोड़ रुपये), ट्रिस्टन स्टब्स (10 करोड़ रुपये) और कुलदीप यादव (13.25 करोड़ रुपये) को रिटेन किया है ऋषभ साल 2016 से ही दिल्ली के साथ थे लेकिन वह 8

सत्र के बाद उनसे अलग हो गए हैं। इसी को लेकर जिंदल ने कहा कि अक्षर, कुलदीप, ट्रिस्टन और अभिषेक को शामिल करने से हमारे पास अनुभव और युवा प्रतिभा का आदर्श मिश्रण हुआ है। मैं टीम के लिए अधिक खिलाड़ियों को बरकरार रखना पसंद करूंगा पर नियमों का के अनुसार हमें चयन में कई बातों का ध्यान रखना होता है। जिंदल ने कहा कि नीलामी में जाने पर हमारे पास दो आरटीएम कार्ड होंगे और इससे उन खिलाड़ियों के साथ बने रहने का रास्ता हमारे पास रहेगा, जो पहले से टीम में रहे हैं। हम जानते हैं कि हम किसे चाहते हैं और यह पक्का करेंगे कि सभी नहीं तो कुछ खिलाड़ी वापस आ जाएं। हम एक मजबूत और संतुलित टीम बनाना चाहते हैं जो आईपीएल ट्रॉफी जीत सके। वहीं ऋषभ के कार्यकाल की बात करें तो वह अभी भी दिल्ली कैपिटल्स की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा के साथ सबसे ज्यादा कैप्ड खिलाड़ी भी हैं। वहीं फ्रेंचाइजी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर हेमांग बदानी और वेणुगोपाल राव को मुख्य कोच (आईपीएल) और क्रिकेट निदेशक (आईपीएल) नियुक्त किया था।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतना चाहते हैं कमिंस

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि वह कभी भी भारतीय टीम के खिलाफ विजयी रही टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य भारतीय टीम के खिलाफ अगले माह होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को जीतना रहेगा। इस सीरीज की शुरूआत 22 नवंबर से पर्थ में होने होगी। कमिंस की कप्तानी में ही ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अलावा एकदिवसीय विश्व कप के खिताबी मुकाबले में भारतीयों को हराया था पर वही द्विपक्षीय सीरीज में भारत को कभी नहीं हरा पाये हैं। कमिंस ने कहा, यह एक बड़ी बात है जिसे मैं पूरा करना चाहता हूं। कमिंस ने कहा, विशेष रुप से घर पर जीतना

अहम रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक चाहते हैं कि हम घर पर अपने सभी मुकाबले जीतें। भारत अकेली टीम है जिसे ऑस्ट्रेलिया अपनी पिछली 16 टेस्ट सीरीज में हराने में असफल रहा है। 2014-15 के बाद से ऑस्ट्रेलियाई टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पायी है। इसमें भारत ने लगातार चार सीरीज जीतीं जिसमें 2018-19 और 2020-21 में ऐतिहासिक जीत भी शामिल है। कमिंस ने कहा, हमने उनके खिलाफ पिछली दो सीरीज खो दी हैं, इसलिए यह एक बड़ी बात है। हमें लगता है कि हमारी टीम वास्तव में अच्छी स्थिति में है, इसलिए हमारे पास कोई कारण नहीं है कि हम वास्तव में अच्छा प्रदर्शन न कर पायें। कमिंस ने कहा, मैं हमेशा यही उम्मीद करता हूं कि हम जिस किसी के भी खिलाफ खेलें, उसके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करें। भारत ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में टेस्ट सीरीज में हराने वाला एकमात्र एशियाई देश बना हुआ है हालाँकि भारतीय टीम इस बार दबाव में होगी, क्योंकि उसे 2012 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड से घरेलू सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है।

स्टोक्स, बटलर ने ईसीबी के साथ किया दो साल का केंद्रीय अनुबंध

एजेंसी

लंदन। दो इंग्लिश कप्तानों बेन स्टोक्स और जोस बटलर ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के दो साल के केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। टेस्ट कप्तान स्टोक्स पहले एक साल के अनुबंध पर थे जबकि बटलर दो साल की अवधि के अनुबंध पर थे। केंद्रीय अनुबंध वाले 29 पुरुष टीम के खिलाड़ियों में से सात दो साल के अनुबंध पर हैं जबकि 19 के पास वार्षिक अनुबंध हैं और तीन इंग्लैंड विकास अनुबंध पर हैं।
विकेटकीपर-बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने भी दो साल का अनुबंध किया है। वह 2023 में शुरू की गई बहु-वर्षीय प्रणाली के तहत पहली बार इंग्लैंड के केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर करने वाले पाँच खिलाड़ियों में से एक हैं।

विल जैक्स, शोएब बशीर, फिल साल्ट और ओली स्टोन अन्य चार हैं - सभी ने एक साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। जॉन टर्नर के साथ जैकब बेथेल और जोश हल भी इंग्लैंड डेवलपमेंट अनुबंध के लिए शामिल हुए हैं। इस बीच, गस एटकिंसन ने दो साल के सौदे पर हस्ताक्षर करके इसे नवीनीकृत किया है और जैक लीच और रीस टॉपली की जोड़ी ने एक-एक साल का अनुबंध किया है। ईसीबी के अनुसार, ₹यह प्रणाली, जो लाल गेंद और सफेद गेंद दोनों खिलाड़ियों को कवर करती है, पिछले वर्ष के प्रदर्शन को मान्यता देते हुए अगले अवधि में सभी प्रारूपों में इंग्लैंड की टीमों में खेलने वाले खिलाड़ियों की संभावना पर विचार करती है।
इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक रॉब की ने कहा, इंग्लैंड पुरुष लाल और सफेद गेंद क्रिकेट में प्रतिभा की ताकत और गहराई केंद्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों की गुणवत्ता में स्पष्ट है। ये अनुबंध उन खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हैं जिनके बारे में हमारा मानना है कि वे हमारी इंग्लैंड पुरुष टीमों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हमारे दोनों कप्तानों, बेन स्टोक्स और जोस बटलर ने दो साल के केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं जो सभी खिलाड़ियों की अपने देश के लिए खेलने को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

पेरिस में फ्रांस के यूगो हमबर्ब जीत के बाद स्पेन के कार्लास अल्कारेस से हाथ मिलाते हुए।

चने की वेज्ञानिक तकनिकी से खेती

शीशपाल चौधरी, डॉ.बीएलदुधवाल एवं महेन्द्र चौधरी व विद्यावाचस्पति शोध छात्र, शस्य विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर - 303329 सहायक आचार्य, शस्य विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर- 303329

चने की खेती अधिकतर बारानी क्षेत्रो में की जाती हैं। इसकी खेती हल्की व भारी दोनो प्रकार की भूमि में की जा सकती हैं। पेटा काश्त भूमि में चना उगाना अन्य फसलो की अपेक्षा अधिक लाभप्रद रहता हैं। मध्यम व भारी मिट्टी के खतों में गर्मी के दिनो में एक दो जुताई करनी चाहिये। वर्षा प्रारम्भ होते ही डोलो की अच्छे से मरम्मत करनी चाहिये जिससे वर्षा का पानी अधिक से अधिक खेत में समान रूप से समा सके। जहां खेत में खरपतवार हो वाहँ दो बार जुताई करना लाभकारी होता हैं। चने के दानों में 21 प्रतिशत प्रोटीन होता हैं तथा इसकी पत्तियों में मेलिक व ऑक्जेलिक अम्ल होता हैं। चने की हरी पत्तियो और दानो का प्रयोग सब्जियों के रूप में किया जाता हैं।

वर्गीकरण: साइसर वंश की दो जातियॉ

साइसर ऐरेटिनम- यह देशी चना कहलाता हैं। इसके पौधे छोटे होते है इसमें गुणसूत्रो की सख्या 2दत्र14 होती हैं।

साइसर काबुलियम- यह काबुली चना कहलाता हैं। इसके दाने सफेद व बडे होते हैं। इसके पौधे बडे व सीधे होते हैं। इसमें गुणसूत्रो की सख्या 2दत्र16 होती हैं।

खेत की तैयारी: चना ढेलों वाली दशा में अच्छा होता हैं क्योकि ढेलों वाली अवस्ता पर भूमि में वायु संचार अच्छा रहता हैं। बारानी क्षेत्रों में मानसून पूर्व एक गहरी जुताई करना आवश्यक होता हैं। जिससे वर्षा का जल खेत में अवशोषित हो सके।

बुवाई का समय: चने की बुवाई का सही समय 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर हैं एवं पिछैती बुवाई 15 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक कर सकते हैं।

बीज की मात्रा एवं बुवाई: चने की बुवाई हेतु 70-80 किग्रा.उपचारित बीज प्रति हैक्टर के लिए पर्याप्त है। काबुली चने की बीज दर 80-90 किग्रा.प्रति हेक्टर रखे। चने की बुवाई 30 सेमी.दूर कतारों में करनी चाहिए। सिंचित क्षेत्रों में बीज की गहराई 5-7 सेमी.व असिंचित क्षेत्रो में नमी अनुसार 7-10 सेमी.गहराई पर करनी चाहिए।

उन्नत किस्में:

आएस.जी.895: असिंचित एवं सिंचित क्षेत्रों हेतु चने की प्रथम सफेद फूल एवं फलियां साथ लगने वाली प्रजाति हैं फसल 130-135 दिनो में पककर तैयार हो जाती हैं। इसमें सुत्रकृमि प्रतिरोधी क्षमता होती हैं। इसके 100 दानों का वनज 18-20 ग्राम होता हैं।

आएसजी.973 ;आभाद्ध: चने की अधिक शुष्क सहन क्षमता की बारानी क्षेत्रों हेतु विकसित प्रजाति मध्यम उंचाई के अर्ध उरध्व पौधे जिनकी तनो पर फलिया कम दूरी पर अधिक संख्या में लगती हैं इसके पकने की अवधि 125 से 130 दिन हैं। असिंचित क्षेत्रो में 15 से 20 किवंटल प्रति हैक्टर उपज देती हैं। फली छेदक कीटों के प्रकोप से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होती हैं तथा 100 दानों का वनज 18-20 ग्राम होता हैं।

सी.235: यह किस्म 140-160 दिन में पककर 15 से 20 किवंटल प्रति हैक्टर उपज देती हैं। इसके दाने मध्यम व कत्थई रंग के होते हैं। पौधा मध्यम उँचाई व झाडीनुमा वृद्धि वाला होता हैं।

प्रगति: यह किस्म 140-150 दिन में पककर 1 8 क्विंटल प्रति हैक्टर पैदावार देती हैं।

आरएसजी. 2: यह किस्म अगेती बुवाई व असिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं। यह 130-135 दिनो में पककर 9-12 क्विंटल प्रति हैक्टर पैदावार देती हैं।

आरएसजी.888: यह किस्म 147 दिन में पककर तैयार हो जाती हैं तथा इसकी पैदावार 11-34 क्विंटल प्रति हैक्टर हैं। यह किस्म विल्ट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है।

बीजी.209: इस किस्म के पैधे अर्द्व विस्तारी, पत्तिया संकरी, हरे रंग की है। 100 दानो का वजन 12 ग्राम एवं विल्ट रोग के प्रति सहनसिल व सूखा रोधी है।

पेटा काश्त भूमि में चना उगाना अन्य फसलो की अपेक्षा अधिक लाभप्रद रहता हैं। मध्यम व भारी मिट्टी के खतों में गर्मी के दिनो में एक दो जुताई करनी चाहिये। वर्षा प्रारम्भ होते ही डोलो की अच्छे से मरम्मत करनी चाहिये जिससे वर्षा का पानी अधिक से अधिक खेत में समान रूप से समा सके। जहां खेत में खरपतवार हो वाहँ दो बार जुताई करना लाभकारी होता हैं।

अर्पण:
चने की क्षारीय भूमी हेतु विकसित प्रथम प्रादेशिक प्रजाति अर्पण के पौधे मध्यम उंचाई के अर्ध सीधे जिनकी शाखओं पर क्रमशः दो पक्तियां लगती है। फसल 125- 130 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टयर है। उक्ठा, जड गलन रोग प्रतिरोधी एवं फली छेदक कीटों से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होती है।

खाद एवं उर्वरक: मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरक प्रयोग करना चाहिए । असिंचित क्षेत्र में बुवाई पूर्व 10 किग्रा. नाइट्रोजन एवं 25 किग्रा. फॉस्फेट प्रति हैक्टर उर कर देवें। सिंचित क्षेत्र में बुवाई पूर्व 20 किग्रा.नाइट्रोजन तथ 40 किग्रा. फॉस्फेट प्रति हैक्टर की दर से उर कर देना चाहिये।

सिंचाई: चने की खेती अधिकांश क्षेत्रों में बारानी अवस्थाओ में की जाती है। सिंचित खेत्रों में मृदा व वर्षा को ध्यान में रखते हुए पहली सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद फूल आने के पहले तथा दूसरी सिंचाई फली आने पर करनी चाहिए।

निडाई- गुडाई एवं खरपतवार नियंत्रण: चने की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु प्रथम निडाई-गुडाई बुवाई के 25-35 दिनो पर करें। पैण्डीमिथिलीन 30 ईसी. 600 ग्राम खरपतवारनाशी को 600 लीटर पानी प्रति हैक्टर की दर से बुवाई के बाद तथा बीज उगने से पूर्व एक समान छिडकाव करना चाहिये।

पौधे की चुटाई: चने के पौधे जब 20 सेमी.उँचे हो जाये तो उनकी शीर्ष शाखाएँ अधिक निकलती है तथा फूल व फल अधिक लगते हे। इससे पैदावार में वृद्वि होती है।

फसल संरक्षण:

फली छेदक: फली छेदक की सुण्डियाँ प्रारम्भ में पौधो की पत्तियॉ खाती है और फलियॉ लगने पर उनमें छेद कर दाना खा जाती है। इनकी रोकथाम के लिए निम्न उपाय करें -

1. नीम की पत्ती के रस या निम्बोली के 10 प्रतिशत घोल का 20, 40, फूल आने व 60 दिन पर छिडकाव करें। या

2. एनपीव्री. 250 एलई. का 750 मिली. प्रति हैक्टर छिडकाव करें। या

3. 20 दिन की फसल पर मेलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण 20-25 किग्रा.प्रति हैक्टयर भुरकाव करें।

कटवर्म, दीमक एवं वायरवर्म: इन कीटों की रोकथाम हेतु क्यूनालफॉस 15 प्रति चूर्ण 25 किलोग्राम हैक्टर की दर से आखिरी जुताई से पूर्व भुरकें।

झुलसा रोग: झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देते ही 02 प्रतिशत मैन्कोजेब या 03 प्रतिशत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल का छिडकाव करना चाहिए। आवश्कतानुसार छिडकाव 10 दिन के अन्तराल पर दोहरायें।

उखटा रोग: इस रोग के कारण खेत में पर्याप्त नमी होने के बावजूद पौधे की पत्तियॉ एकाएक पीली पडने लगती हैं तथा बाद में पूरा पौधा सूख जाता है। इस रोग की रोकथाम हेतु उचित फसल चक्र अपनाये तथा रोग रोधी किस्में काम में ले।

उपज: असिंचित क्षेत्रो में 8-12 क्विंटल व सिंचित क्षेत्रो में 15-20 क्विंटल उपज प्रति हैक्टयर प्राप्त की जा सकती है।

भण्डारण: भण्डारण पूर्व चने के दानो को धूप मे सूखा लेते है जिससे दानों मे नमी 10-12 प्रतिशत तक आ जाये । भण्डारण में कीट रोकथाम हेतु उचित कीटनाशी का प्रयोग करें।

मसूर की उन्नत खेती

शीशपाल चौधरी, महेन्द्र चौधरी एवं बाबू लाल विद्यावाचस्पति शोध छात्र, शस्य विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर

खेत का चुनाव एवं तैयारी:- मसूर की खेती सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती हैं। लेकिन दोमट मिट्टी इसके लिए सबसे उत्तम मानी जाती हैं। खेत को 2-3 बार देशी हल अथवा कल्टीवेटर से जुताई कर मिट्टी को भूरभूरी बना देते हैं।

उन्नत किस्मे

पंत के 639:- यह किस्म 135-140 दिन में तैयार हो जाती हैं। जड सडन एवं उकटा रोग के लिए प्रतिरोधी मानी जाती हैं।

पीएल 406:- यह किस्म 140-145 दिन में तैयार हो जाती हैं। इसमें रस्ट एवं विल्ट रोग लडने की क्षमता हैं।

पीएल 77-12:- यह किस्म 115-120 दिन में परिपक्व हो जाती हैं। इसमें रस्ट एवं उकटा रोग से लडने की क्षमता हैं।

मल्लिक:- यह प्रजाती 130-135 दिन में तैयार हो जाती हैं। उकठा रोग के लिए यह प्रतिरोधी हैं।

केएलएस 218:- यह किस्म 120-150 दिन में तेयार हो जाती हैं।

बुवाई का उचित समय:- मसूर की उन्नत किस्मो की बुवाई 15 अक्टूबर से 25 नवम्बर तक कर देनी चाहिए।

बीज की मात्रा एवं बुवाई की विधि:- छोटे दानो वाली किस्मो के लिए एक हैक्टर क्षेत्रफल में बुवाई कें लिए 35-40 किलोग्राम बीज की जरूरत पडती हैं। जबकि बडे दानो वाली किस्मो के लिए 50-55 किलोग्राम बीज कि आवश्यकता होती हैं। बुवाई के समय किस्मो के आधार पर कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी क्रमशः 25 सेमी.एवं 10 सेमी.रखनी चाहिए।

बीजोपचार:- प्रारम्भिक अवस्था के रोगों बचाने के लिए बुवाई से पहले मसूर के बीजो को सही उपचार करना जरूरी होता हैं। इसके लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी 5 ग्राम प्रति किलो बीज या कार्बेण्डाजिन 20 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए । बीजोपचार में सबसे पहले कवकनाशी तत्पश्चात कीटनाशी एवं सबसे बाद में राइजोबियम कल्चर से उपचारित करने का क्रम अनिवार्य होता है । जिन क्षेत्रा में कटुआ का प्रकोप मसूर के खेत में बढ जाता हैं। यहॉ बीज को क्लोरोपाइरीफॉस 20 ईसी से 6-8 मिली प्रति किलोग्राम बीज उपचार करना चाहिए।

उर्वरको का प्रयोग:- मिट्टी परीक्षण के आधार पर ही उर्वरको का प्रयोग आवश्यकतानुसार करना चाहिए। सामान्य परिस्थिति मे 20 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टर उपयोग करना चाहिए। जिन क्षेत्रा में जिंक एवं बोरोन की कमी पाई जाती हैं। उन खेतो में 25-30 किलोग्राम जिंक सल्फेट एवं 10 किलोग्राम बोरेकस पाउडर प्रति हेक्टर की दर से बुवाइ्र के समय प्रयोग करना चाहिए।

सिंचाई:- जिन खेतो में नमी की कम पाई जाती है। वहा एक सिंचाई बुवाई के 45 दिन बाद लाभकारी होती हैं। पानी का जमाव नही होना चाहिए। इससे फसल प्रभावति हो जाती हैं।

खरपतवार नियंत्रण:- मसूर के खेत में प्रायः मोथा, दूब, बथुआ एवं बनगाजर आदि खरपतवार का प्रकोप ज्यादा होता हैं। इसके नियंत्रण के लिए 2 लीटर फलूक्लोरिन को 600-700 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जूताई के बाद छिटकर मिला दे अथवा पेण्डीमेथालीन 1 किलोग्राम को 1000 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के 48 घंट के अन्दर छिडकाव करना चाहिए।

फसल सुरक्षा प्रबंधन:

रोग प्रबंधन:- मसूर के प्रमुख रोग उकठा, ब्लाइट एवं विल्ट है। इससे बचाने के लिए फसलों में मेंकोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।

कीट प्रबंधन:- मसूर की फसल में कटवर्म, सूडी एवं एफिड कीटो का प्रकोप होता है। इन कीटो की रोकथाम के लिए बुवाई के 25-30 दिन बाद एजेडिरेक्टीन, नीम तेल 003 प्रतिशत प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करना चाहिए।

विक्की कौशल ने एंग्जायटी से निपटने के बारे में की खुलकर

अभिनेता विक्की कौशल ने अपनी फिल्मों से बॉलीवुड में काफी नाम कमाया है। अभिनेता की गिनती आज बॉलीवुड के टॉप कलाकारों की लिस्ट में होती है। हालांकि, विक्की आज जिस मुकाम पर हैं, उसके लिए उन्हें काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा है। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया कि करियर में हर तरह का फेज फेस करने के बाद उन्होंने एंग्जायटी से कैसे डील की है।

एंग्जायटी से ऐसे डील करते हैं विक्की

हार्पर बाजार के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में, विक्की ने साझा किया, चिंता के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि इसे स्वीकार किया जाए। उन्होंने एक वरिष्ठ अभिनेता से मिली सलाह को याद करते हुए कहा, एक वरिष्ठ अभिनेता ने एक बार मुझसे कहा था कि चिंता को अपना दोस्त बनाओ। यह हमेशा रहेगी; आपको बस इसे नियंत्रित करने की आवश्यकता है। इसे स्वीकार करना एक बेहतरीन पहला कदम है।

सलाह को मानकर करते हैं डील

विक्की ने क्रिएटिविटी से जुड़े रहने के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण समय में वे चिंता में फंसने के बजाय अपनी क्रिएटिविटी पर ध्यान केंद्रित करके आगे बढ़ते हैं। इस समय वे खुद को निर्देशन की दुनिया की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं फिल्म निर्माण को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हूं। मुझे अभी तक यकीन नहीं है कि मैं निर्देशन में कदम रखूंगा या नहीं, लेकिन मैं बहुत ही उत्सुक हूं।

बॉक्स ऑफिस पर असफल रही बैड न्यूज

विक्की को आखिरी बार आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित बैड न्यूज में देखा गया था। इस रोमांटिक कॉमेडी में तृप्ति डिमरी और एमी विर्क भी थे। यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया पाने में विफल रही।

इस फिल्म में आएंगे नजर

अभिनेता अगली बार छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म छावा में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना अभिनीत यह फिल्म दिसंबर में रिलीज होने वाली है।

कृति सेनन के बाद मीना कुमारी के किरदार में ढलने को तैयार कियारा आडवाणी?

प्रशंसकों को एक दिलचस्प कहानी देखने को मिलने वाली है क्योंकि निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म कमाल और मीना में फिल्म निर्माता कमाल अमरोही और अभिनेत्री मीना कुमारी की दिलचस्प प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं। फिल्म 2026 में रिलीज के लिए निर्धारित है, जबकि कलाकारों का विवरण गुप्त रखा गया है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट की मानें तो मीना कुमारी की भूमिका के लिए अभिनेत्री कियारा आडवाणी को चुना गया है।

पोस्ट ने बढ़ाई अटकलें

रेडिट उपयोगकर्ता ने इंस्टाग्राम पर यूडली फिल्म्स द्वारा पोस्ट की गई फिल्म कमाल और मीना के वीडियो घोषणा का स्क्रीनशॉट साझा किया। पोस्ट को अभिनेत्री द्वारा लाइक किए जाने के बाद कियारा आडवाणी के मीना कुमारी की भूमिका निभाने की अटकलें तेज हो गईं। इतना ही नहीं बल्कि ईगल-आइड फैन ने यह भी देखा कि सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने हाल ही में शेरशाह अभिनेत्री को इंस्टाग्राम पर फॉलो करना शुरू किया है। उन्होंने उनकी पोस्ट पर टिप्पणियां भी कीं, जिससे इन अफवाहों को और हवा मिली।

कियारा आडवाणी निभाएंगी मीना कुमारी का किरदार?

स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए यूजर ने लिखा, हालांकि अभी भी यह कहना जल्दबाजी होगी लेकिन मीना कुमारी की बायोपिक के निर्देशक ने हाल ही में कियारा को फॉलो करना शुरू कर दिया है और अब भी उनकी पिछली तीन-चार पोस्ट पर कमेंट करना जारी रखा है। कियारा एकमात्र ऐसी अभिनेत्री हैं जिन्हें फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो पसंद आया।

घोषणा ने बढ़ाया उत्साह

फिल्म की घोषणा करते हुए फिल्म निर्माता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लंबा नोट लिखा। उनके नोट के एक हिस्से में लिखा था, कमाल और मीना- एक सिनेमाई अनुभव जो हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे प्रतिष्ठित प्रेम कहानियों में से एक होने का वादा करते हैं। कमाल और मीना महान निर्देशक और पटकथा लेखक कमाल अमरोही और प्रसिद्ध अभिनेत्री मीना कुमारी के बीच वास्तविक जीवन के रोमांस को जीवंत करेगी।

मनीष मल्होत्रा बनाएंगे मीना कुमारी की बायोपिक पोस्ट में आगे लिखा है, कमाल साहब और मीना जी के बीच आदान-प्रदान किए गए 500 से अधिक हस्तलिखित पत्रों के साथ-साथ उनके जीवन का विवरण देने वाली व्यक्तिगत पत्रिकाओं तक पहुंच के साथ, इस कहानी को बताने में हमारे पास जो अंतर्दृष्टि और शोध है वह अमूल्य है। इस अविश्वसनीय सच्ची कहानी को निर्देशित करना एक बड़ा सौभाग्य है, हालांकि जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। दूसरी ओर, फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने भी मीना कुमारी के जीवन पर केंद्रित एक बायोपिक की घोषणा की है, जिसमें अभिनेत्री कृति सेनन मुख्य भूमिका में हैं। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट ने बताया कि अज्ञात कारणों से फिल्म में देरी हुई थी। फिल्म के 2025 की शुरुआत में फ्लोर पर जाने की संभावना है।

भूल भुलैया 3 में कैमियो के सवाल पर बोले कार्तिक

कार्तिक आर्यन अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह भी देखा जा रहा है। कार्तिक भी अपनी फिल्म के प्रमोशन में जोर-शोर से जुटे हुए हैं। इस बीच उनसे एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या वो भविष्य में किसी और अभिनेता को फिल्म की स्टारकास्ट में जुड़ते हुए देखना चाहेंगे। इसका जवाब देते हुए अभिनेता ने साफ कहा कि उनकी फिल्म को किसी तरह के दिखावे या कैमियो की जरूरत नहीं है।

कहानी और फिल्म में है विश्वास

जूम से बातचीत के दौरान विद्या बालन और कार्तिक आर्यन से फिल्म की स्टारकास्ट में किसी और सितारे के जुड़ने को लेकर पूछा गया था। इसका जवाब देते हुए कार्तिक आर्यन ने साफ किया कि उनकी फिल्म को किसी अतिरिक्त कैमियो की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा ये फिल्म वो सभी कलाकारों के साथ पूरी है, जो इस फिल्म में पहले से काम कर रहे हैं। अभिनेता ने कहा, ठहमें हमारी फिल्म और हमारी कहानी दोनों में विश्वास है। कार्तिक आर्यन ने आगे कहा कि फिल्म की मौजूदा स्टारकास्ट काफी अच्छी है। उनके बात को समर्थन देते हुए विद्या बालन ने कहा कि इसमें कोई दो राय ही नहीं है। इस वक्त भूल भुलैया 3 की टीम फिल्म का जोरदार प्रमोशन करने में जुटी हुई है। फिल्म के निर्माता इस फिल्म को अंतिम रूप देने के तैयारी में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन अंतिम चरण में है। निर्माता इसे एक दो-दिन में सेंसर बोर्ड को सौंपने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कहा जा रहा है कि फिल्म की पूरी समय अवधि 2 घंटे 38 मिनट है।

मीडिया में सितारों पर निश्चित छवि बनाए रखने का दबाव होता है

अभिनेत्री साई पल्लवी इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा उनके फैंस उनकी आगामी फिल्म थंडेल में भी देखने का इंतजार कर रहे हैं। अभिनेत्री अक्सर विवादों से दूर रहना पसंद करती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें पीआर एजेंसी की आवश्यकता नहीं महसूस होती है। उन्होंने कहा कि वो लो प्रोफाइल रहना पसंद करती हैं। हाल में ही बातचीत के दौरान, साई पल्लवी ने खुलासा किया कि वह पीआर एजेंसी क्यों नहीं रखना पसंद करती हैं। उन्होंने कहा कि वह चीजों को निजी रखना पसंद करती हैं, क्योंकि वह दुनिया के सामने भी वास्तविक छवि के साथ रहना पसंद करती हैं। पल्लवी ने खुलासा करते हुए कहा, बॉलीवुड में मेरी एक परिचित महिला थी, जिन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मुझे पीआर एजेंसी की आवश्यकता है, लेकिन मुझे इसकी आवश्यकता समझ में नहीं आई, क्योंकि जब मैं फिल्में करती हूं, तो मैं इंटरव्यू देती हूं फिर मैंने उससे पूछा कि मुझे पीआर एजेंसी की आवश्यकता ही क्यों है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि कैसे उस महिला ने उन्हें बताया कि दर्शकों के लिए उनके बारे में बात करना महत्वपूर्ण है, भले ही उनकी कोई फिल्म न भी आ रही हो। इस पर अभिनेत्री ने अपनी राय जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि अगर उनके बारे में लगातार बात की जाती है, तो दर्शक उनसे ऊब जाएंगे। अभिनेत्री ने कहा, मुझे बताया गया था कि जब मैं फिल्में नहीं कर रही थी, तब भी लोगों का मेरे बारे में बात करना ज़रूरी था। लेकिन क्यों? अगर हर कोई मेरे बारे में इतना बात कर रहा है, तो क्या कुछ समय बाद यह उबाऊ नहीं हो जाएगा? मुझे ये बातें समझ में नहीं आतीं। इस दौरान अभिनेत्री ने इस दबाव पर बात की कि कैसे सितारों पर मीडिया में एक निश्चित छवि बनाए रखने का दबाव होता है। अभिनेत्री ने कहा कि वह लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करती हैं। उन्होंने आगे कहा, ईमानदारी से कहें तो, मैं जो हूं, वह तभी हो सकता है जब वह सामाजिक नियमों के अनुरूप हो। अगर मैं खुद नहीं हूं तो मैं असहज हो जाऊंगी। अफवाहें आज कल धारणाएं बन जाती हैं।

फ्लॉप होने पर भी कैसे मिला अर्जुन कपूर को सिंघम अगेन में अहम किरदार

सिंघम अगेन, इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। सिर्फ तीन दिन अपनी रिलीज से दूर सिंघम 3 को देखने के लिए प्रशंसक बेकरार हैं। फिल्म में अर्जुन कपूर एक खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे, जो इस फिल्म का काफी दमदार किरदार है। आखिरकार, सिंघम 3 में अर्जुन को यह अहम किरदार कैसे मिला, जबकि उनकी कई लगातार कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुईं। आइए जानते हैं कि आखिर क्यूं रोहित ने उन्हें यह किरदार ऑफर किया।

अर्जुन को कैसे मिली सिंघम अगेन

2012 में इश्कजादे से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के बाद से अर्जुन कपूर ने कई बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं। तब से, वे कई हिट फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में, उनकी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं। ऐसा होने के बाद भी रोहित ने उन्हें अपनी आगामी एक्शन फिल्म सिंघम अगेन में खलनायक की भूमिका निभाने के लिए चुना।

रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन के लिए संवाद लिखने वाले मिलाप जावेरी ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि फिल्म निर्माता एक प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं, जो लोगों की काबिलियत पर भरोसा करते हैं, भले ही उनका करियर ग्राफ कितना भी ऊंचा या नीचा क्यों न हो। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने अपनी आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म में खलनायक की भूमिका के लिए अर्जुन कपूर को क्यों चुना , तो उन्होंने कहा, उन्होंने सिंघम अगेन के लिए अर्जुन कपूर में प्रतिभा और जुनून देखा। उनका मानना था कि अर्जुन कपूर को बस सही अवसर की जरूरत है, और यही उनकी प्रतिभा है। एक बार फिल्म रिलीज होने के बाद, हम देखेंगे कि रोहित कितने सही थे। रोहित शेट्टी भारत के आज सबसे बड़े निर्देशकों में से एक हैं, जब भी वह सेट पर आते हैं, तो पूरा क्रू उनका सम्मान करता है। मिलाप ने रोहित के लिए कहा, उन्होंने अर्जुन को अपनी इस कॉप यूनिवर्स फिल्म में जोड़ा और यह उनके लिए एक शानदार मौका है। रोहित को अर्जुन पर विश्वास था और यही बात फिल्म में दिखाई देगी।

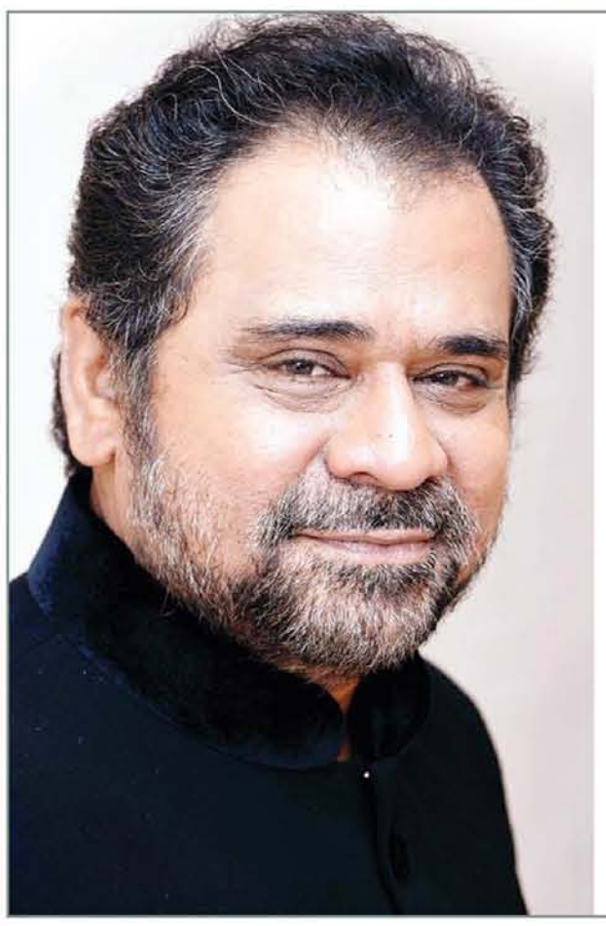

अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 पर दिया बड़ा अपडेट

सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान अभिनीत प्रतिष्ठित कॉमेडी फिल्म नो एंट्री ने साल 2005 में रिलीज होने के बाद से बॉलीवुड पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मूल फिल्म के प्रशंसक इसकी अगली कड़ी नो एंट्री 2 पर अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालिया अपडेट में, निर्देशक अनीस बज्मी ने पुष्टि की कि नो एंट्री 2 का फिल्मांकन अगले साल की शुरुआत में शुरू होने वाला है। एक इंटरव्यू में अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को भूल भुलैया 3 की रिलीज के बाद वह अपना फोकस पूरी तरह से नो एंट्री 2 पर लगा देंगे। अनीस बज्मी ने कहा, एक बार जब भूल भुलैया 3 रिलीज हो जाएगी, तो मैं अपनी सारी ऊर्जा नो एंट्री में लगा दूंगा। अगर सब कुछ ठीक रहा तो हम अगले फरवरी-मार्च में इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे।

सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान अभिनीत प्रतिष्ठित कॉमेडी फिल्म नो एंट्री ने साल 2005 में रिलीज होने के बाद से बॉलीवुड पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मूल फिल्म के प्रशंसक इसकी अगली कड़ी नो एंट्री 2 पर अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालिया अपडेट में, निर्देशक अनीस बज्मी ने पुष्टि की कि नो एंट्री 2 का फिल्मांकन अगले साल की शुरुआत में शुरू होने वाला है। एक इंटरव्यू में अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को भूल भुलैया 3 की रिलीज के बाद वह अपना फोकस पूरी तरह से नो एंट्री 2 पर लगा देंगे। अनीस बज्मी ने कहा, एक बार जब भूल भुलैया 3 रिलीज हो जाएगी, तो मैं अपनी सारी ऊर्जा नो एंट्री में लगा दूंगा। अगर सब कुछ ठीक रहा तो हम अगले फरवरी-मार्च में इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे।

बज्मी ने की वरुण धवन की तारीफ

अनीस बज्मी ने आज के अभिनेताओं की प्रभावशाली हास्य प्रतिभा को उजागर करने में भी थोड़ा समय लिया। उन्होंने विशेष रूप से वरुण धवन की प्रशंसा की, जो अगली कड़ी में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। निर्देशक ने धवन की कॉमिक टाइमिंग की प्रशंसा की, जो निश्चित रूप से फिल्म में एक नई ऊर्जा जोड़ेगी।

राजकुमार राव की तारीफ में पढ़े कसीदे

अनीस बज्मी ने वरुण धवन के साथ-साथ आयुष्मान खुराना और राजकुमार राव के काम की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्होंने राव के अभिनय का आनंद लिया है, यहां तक कि उन फिल्मों में भी जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। उनका मानना है कि अगर ये तीनों कलाकार किसी फिल्म में साथ आएंगे तो दर्शकों को उनका एक नया पक्ष देखने को मिलेगा।

नो एंट्री 2 में होंगी सात अभिनेत्रियां

नो एंट्री 2 से वरुण धवन के अलावा अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ भी जुड़ गए हैं। अनीस बज्मी फिल्म के लेखक और निर्देशक दोनों के रूप में काम करेंगे। तीनों प्रमुख कलाकार स्क्रिप्ट को लेकर बहुत उत्साहित हैं और कहानी का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं। हाल की रिपोर्टों में महिला किरदारों के एक रोमांचक समूह का भी उल्लेख किया गया है। वरुण, अर्जुन और दिलजीत दोहरी भूमिका निभाएंगे, जो दोगुना मनोरंजन का वादा करता है। इसके अतिरिक्त, फिल्म में सात महिला कलाकारों की एक मजबूत कास्ट शामिल होगी, जो कहानी में गहराई और विविधता जोड़ेगी।

यातायात सुरक्षा माह की शुरूआत

पुलिस कमिश्नर ने दिखाई बाइक को झंडी

नोएडा (चेतना मंच)। यातायात माह की शुरुआत सेक्टर 108 स्थित पुलिस कमिश्नरेट हेड क्वार्टर में आयोजित कार्यक्रम से हुआ। पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि यातायात माह का उद्देश्य लोगों को नियमों के प्रति जागरूक करना है। इस पूरे माह विभिन्न तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस स्कूल-कॉलेजों में जाकर बच्चों को सुरक्षित सफर के प्रति जागरूक करेगी। उन्होंने यातायात माह में ट्रैफिक पुलिसकर्मी को एक अच्छा इनाम देने की घोषणा जो एक्सीडेंट में किसी जिन्दगी को बचायेगा।

हरी झंडी देखते ही बाइक पर सवार ट्रैफिक पुलिसकर्मी बाइक पर सवार हो कर लोगों को सुरक्षित यातायात के लिए प्रशासन जागरूक करने के लिए निकाल पड़े। इससे पूर्व आयोजित कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने साल भर की उपलब्धियों और यातायात से जुड़ी शहर की समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष से अधिक के समय में जो बदलाव नोएडा में देखने को मिला है जिन इलाकों में हमारे ट्रैफिक पुलिस की प्रजेंस है, वहां यातायात नियमो का पालन हो रहा है, जिन ग्रामीण इलाकों में ट्रैफिक की प्रजेंस नहीं है, वहाँ पर अभी भी तीन सवारी चार सवारी, दो व्हीलर पर बिना हेलमेट की सवारी ये अभी भी आदतों में शुमार है। थोड़ी सी अवेयरनेस कैंपेन के साथ स्ट्रिक्ट एनफोर्समेंट ड्राइव चलाएं? मौके पर ही उनको बताएं और उसका दो माह के अंदर नेक्स्ट ईयर न्यू इयर्स पर हमको उसका कुछ सुखद सकारात्मक परिणाम देखने को मिले।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि नोएडा एक अर्बन मेट्रोपॉलिटन सिटी है यहां की रफ्तार तेज है और ऑफिस से छूटने के बाद घर पहुंचने की जल्दी में लोग शॉर्टकट, लेना राँग साइड ड्राइविंग करना और जहां पर कट नहीं है वहां पर भी कोई जुगाड़ बना लेना उनकी दिनचर्या का अंग बन चुका है और यह बात सबके और पढ़े लिखे समाज की है जो पॉश रिहायशी इलाकों में रहते हैं इस साल हमारा कंपेन इसको लेकर भी चलेगा।

पेड़ से टकराकर पलटी कार, 3 दोस्तों की मौत

बिजनौर (एजेंसी)। बिजनौर में नजीबाबाद रोड पर अचानक सामने आए सांड को बचाने के लिए ब्रेक लगाए तो कार अनियंत्रित हो गई और पेड़ से टकराकर पलटी गई। हादसे में तीन दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। शुक्रवार रात करीब 10 बजे प्रतीक्षित पुत्र प्रमोद कुमार (24) निवासी प्रगति विहार आदमपुर, प्रद्युम्न पुत्र सत्येंद्र (24) निवासी शक्ति नगर बिजनौर यश राजपूत उर्फ अश्विनी (24) पुत्र अतुल राजपूत निवासी नई बस्ती, सारांश भारद्वाज पुत्र सुशील शर्मा (25) निवासी पंचवटी कॉलोनी, अनिरुद्ध कोहली निवासी सिविल लाइन और पार्थ त्यागी पुत्र ऋतुराज त्यागी निवासी नगीना फाटक के पास बिजनौर एक कार में सवार होकर घूमने के लिए निकले थे।

बताया गया कि शुक्रवार को सारांश और एक अन्य दोस्त का जन्मदिन था। जिसके चलते सभी छह दोस्त खाना खाने की तैयारी में थे। कार सवार सभी दोस्त नजीबाबाद रोड की ओर जा रहे थे।

जहां इंद्रलोक कॉलोनी के सामने अचानक सड़क पर अचानक से सांड आ गया। सांड को बचाने के लिए ब्रेक लगाए तो गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई और फिर पलट गई। हादसे में यश राजपूत, सारांश भारद्वाज और अनिरुद्ध कोहली की मौत हो गई। मरने वाले तीनों दोस्तों के घर में कोहराम मचा हुआ है, परिवार वालों का रो-रो कर बुराहाल है। तीनों घायलों का उपचार किया जा रहा है।

जुनेदपुर प्रीमियर लीग की विजेता बनी तिमराज टाइगर्स

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जुनेदपुर गांव में दीपावली सद्भावना कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में तिमराज टाइगर्स मंडैया की टीम ने मनीष पिंक पैंथर्स जुनेदपुर की टीम को रोमांचक मैच में 19 रनो से हराकर कप अपने नाम किया। विजेता टीम को मुख्य अतिथि दरोगा धर्मवीर सिंह व रविकांत ने ट्रॉफी व नगद राशि देकर सम्मानित किया।

जुनेदपुर प्रीमियर लीग के आयोजक समिति के सदस्य मास्टर दिनेश नागर, कुलदीप एडवोकेट व मोहित प्रधान ने बताया कि जुनेदपुर गांव में सद्भावना व आपसी प्रेम भावना के उद्देश्य से हर वर्ष दीपावली तथा होली पर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जाता है इस वर्ष जुनेदपुर प्रीमियर लीग में क्षेत्र की कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया जिसका फाइनल मैच शनिवार को तिमराज टाइगर्स मंडैया व मनीष पिंक पैंथर्स जुनेदपुर के बीच खेला गया। टॉस जीतकर मनीष पिंक पैंथर्स की टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए तिमराज टाइगर्स मंडैया की टीम ने निर्धारित ओवरों में 4 विकेट खोकर 149 रन बनाए।

जवाब में मनीष पिंक पैंथर्स की टीम 13.4 ओवरों में 130 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। मनीष पिंक पैंथर्स जुनेदपुर की ओर से कमल शर्मा ने 19 गेंदों पर 34 रन बनाए जबकि यश नागर ने 8 गेंदों पर 18 व पिंकी नागर ने 12 गेंदों पर 26 रनो की तूफानी पारी खेली और लक्ष्य से 19 रन दूर रह गई।

समिति के सदस्य मनोज मास्टर ने बताया कि विजेता टीम को 11 हजार रुपए व ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 5100 रुपए तथा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। मैन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताफ मनीष नागर जबकि प्रशांत नागर व सेनकी नागर को मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। फाइनल मैच के अंपायर मनोज मास्टर व शिव कुमार रहे, स्कोरर मोहित तथा कमेंटेटर सतीश शर्मा रहे।

इस दौरान मास्टर दिनेश नागर, कमल नागर, भवर सिंह, वीरेंद्र एडवोकेट, कुलदीप एडवोकेट, केशराम नागर, मोहित, सूरज , वेद ,कैलाश नागर, देवेंद्र प्रधान, रविंद्र नागर, सुमित नागर, रिंकू उर्फ भगत, नितिन नागर, सतीश शर्मा,संदीप फौजी, शैलेंद्र मास्टर, मोहित जूनियर, कालू, पिंकी नागर, मनीष, दीपक नागर, रोहित ,नंदू, परविंदर नागर, सौरभ नागर, सेनकी, सतेंद्र गुल्लू, मनीष, शिवकुमार, रमेश नागर, विनीत,दर्शन नागर, एलटी गुर्जर, रितिक, गज्जू ,प्रतीक, आदित्य,अभिषेक , आलोक, मननड, सिद्दू ,चिराग, लक्की व राज आदि लोग उपस्थित रहे।

कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह व अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में तैनात उपनिरीक्षक से निरीक्षक के पद पर पदोन्नति प्राप्त करने वाले पुलिस अधिकारियों को रैंक प्रतीक लगाकर शुभकामनाएं दी गई तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

बर्तन की दुकान में जा घुसी तेज रफ्तार कार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहां के सूरजपुर कस्बे में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर मेन बाजार में स्थित एक बर्तन की दुकान में जा घुसी, जिससे एक ग्राहक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना पास के लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

जानकारी के मुताबिक हादसा गुरुवार यानी दिवाली की रात करीब 9 बजे का है, जब एक i-10 कार बाजार से होकर गुजर रही थी। तभी स्पीड ज्यादा होने के कारण कार अनियंत्रित हो गई और बाजार में स्थित फुरकान के दुकान में जाकर घुस गई। इस दौरान दुकान में खड़ा एक ग्राहक हादसे का शिकार हो गया। हादसे में घायल युवक को तुरंत उपचार के लिए पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

दुकानदार के अनुसार, इस हादसे से दुकान में भारी नुकसान हुआ है. दुकान में रखा बर्तन का सामान बिखर गया, जिससे दुकान मालिक को आर्थिक हानि हुई है। घटना का वीडियो पास के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया, जिसे पुलिस ने अपने जांच में शामिल किया है। गौतमबुद्धनगर पुलिस के मीडिया सेल ने बताया कि दुर्घटना के बाद कार को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है और वाहन चालक के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

दादरी (चेतना मंच)। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री शकील अहमद नदवी गाजियाबाद चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी का प्रचार करने जाते समय दादरी जीटी रोड मदरसे के सामने समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के जिला अध्यक्ष अकबर खान के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका और उनके साथ बुलंदशहर समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष ताहिर अली सैफी का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

इस मौके पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद नदवी ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र एवं प्रदेश सरकार में अल्पसंख्यक समाज का शोषण किया जा रहा है। सबका साथ,सबका विकास का नारा देने वाली यह सरकार केवल पूंजीपतियों के विकास करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो अल्पसंख्यकों को उनका हक देने के साथ ही सम्मान देने का कार्य करती है और कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा अल्पसंख्यकों के हकों के लिए संघर्ष किया और उनकी सामाजिक लड़ाई को आगे बढ़कर लड़ा है। भाजपा सरकार में लगातार पिछड़ों, शोषितों, वंचितों, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हुए है। सरकार उन्हें सामाजिक न्याय और सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है।

इस मौके मुख्य रुप से पर दादरी नगर के अध्यक्ष अनीस अहमद बिसाडिया ,जाकिर मुनीर, नन्हे सिद्दीकी, इमरान सिद्दीकी, नसरुद्दीन मुल्लाजी, आस मोहम्मद सैफी दुजाना, राशिद सिद्दीकी, साबिर अल्वी, निसार अहमद मेंबर, इरशाद त्यागी, हसीमुद्दीन नेताजी नईम रंगरेज दानिश सैफी नगर अध्यक्ष दादरी और उनकी टीम रियाजुद्दीन, इकबाल आदि लोग उपस्थित रहे।